■ वर्ष-17 ■ अंक-76 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य : 1 रुपए

नई दिल्ली, रविवार, 6 अप्रैल, 2025

newdibyabharat@gmail.com

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने डिफेंस कॉलोनी में 7.30 करोड़ की लागत... पृष्ठ-2

दिव्य भारत

| राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक |

पंबन ब्रिज रेलवे इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण पुलों में से एक... पृष्ठ-3

संक्षिप्त

प्रधानमंत्री मोदी ने बाबू जगजीवन राम को जयंती पर याद किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम को उनकी जयंती पर याद किया है। उन्होंने कहा कि बाबू जगजीवन राम का वंचितों के लिए किया संघर्ष प्रेरणास्रोत है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम को उनकी जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। वंचितों और पीड़ितों के अधिकार के लिए उनका आजीवन संघर्ष सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।"

रामनवमी की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रामनवमी की पूर्व संध्या पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, रामनवमी के पावन अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा कि यह पावन पर्व मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। भगवान श्री राम की जीवन गाथा हमें सत्य, धर्म और नैतिकता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। यह पर्व समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के साथ मानवता की सेवा करने का संदेश देता है।

भारत-श्रीलंका हिन्द महासागर में मिलकर करेंगे काम : मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत और श्रीलंका के सुरक्षा हित समान हैं। दोनों देशों की सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी है और एक-दूसरे पर निर्भर है। दोनों देश कोलंबो सुरक्षा कॉन्क्लेव और हिन्द महासागर में सुरक्षा सहयोग पर भी मिलकर काम करने के लिए सहमत हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ आज कोलंबो में द्विपक्षीय वार्ता की। इसके बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति के साथ संयुक्त वक्तव्य दिया। प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत ने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। दोनों नेता सहमत हैं कि मामले के मानवीय पहलू को आगे बढ़ाना चाहिए। हमने मछुआरों को तुरंत रिहा किये जाने और उनकी नौकाओं को वापस भेजने पर भी बल दिया। प्रधानमंत्री ने आज हुई घोषणाओं और समझौतों का जिक्र करते हुए कहा कि सामपुर सोलर पावर प्लांट से श्रीलंका की ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी। मल्टी-प्रोडक्ट पाइपलाइन के निर्माण और त्रिंकोमाली को ऊर्जा हब के रूप में विकसित किए जाने के लिए जो समझौता हुआ है, उसका लाभ श्रीलंका के सभी लोगों को मिलेगा। दोनों देशों के बीच ग्रिड को जोड़े जाने के समझौते से श्रीलंका के लिए बिजली निर्यात करने के विकल्प खुलेंगे। उन्हें खुशी है कि आज श्रीलंका में धार्मिक स्थलों के लिए पाँच हजार सोलर रूफ टॉप सिस्टम का उद्घाटन किया जाएगा। श्रीलंका की यूनिक डिजिटल आइडेंटिटी प्रोजेक्ट में भी हम सहयोग करेंगे।

उन्होंने कहा कि पिछले 6 महीनों में ही हमने 10 करोड़ डॉलर से अधिक राशि के ऋण को ग्रांट में बदला है। हमारे द्विपक्षीय डेट पुनर्गठन एग्रीमेंट से श्रीलंका के लोगों को तत्काल सहायता और राहत मिलेगी। आज हमने ब्याज की दर को भी कम करने का निर्णय लिया है। यह प्रतीक है कि आज भी भारत श्रीलंका के लोगों के साथ खड़ा है। पूर्वी प्रांतों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए लगभग 2.4 बिलियन श्रीलंकाई रुपये का सहयोग पैकेज दिया जाएगा। आज हमने किसानों की भलाई के लिए श्रीलंका के सबसे बड़े गोदाम का भी उद्घाटन किया। कल हम माहो-ओमनथायी रेल लाइन का उद्घाटन करेंगे और माहो-अनुराधापुरम सेक्शन पर सिग्नलिंग सिस्टम का शिलान्यास करेंगे। कांकेसंतुरई पोर्ट के आधुनिकीकरण के लिए काम जल्द ही शुरू किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि श्रीलंका में भारतीय मूल के तमिल समुदाय के लिए दस हजार घरों का निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाएगा। श्रीलंका के 700 अतिरिक्त कार्मिकों को भारत में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसमें सांसदों, न्यायपालिका से जुड़े लोगों, उद्यमियों, मीडियाकर्मियों, के साथ-साथ युवा लीडर्स भी शामिल होंगे।

भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक और आत्मीयता भरे संबंधों को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि 1960 में उनके होम स्टेट गुजरात के अरावली में मिले भगवान बुद्ध के अवशेष को श्रीलंका में दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। त्रिंकोमाली के थिरुकोनेश्वरम मंदिर के पुनर्निमाण में भारत सहयोग देगा। अनुराधापुरम महाबोधि मंदिर परिसर में सकर्ड सिटी और नुरेलिया में सीता एलिया मंदिर के निर्माण में भी भारत सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति दिसानायके ने अपने समावेशी दृष्टिकोण उनके साथ साझा किया है। भारत आशा करता है कि श्रीलंका सरकार तमिलों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी और श्रीलंका में संविधान के पूर्ण इम्प्लीमेंटेशन और क्षेत्रीय परिषद चुनाव कराने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करेगी। प्रधानमंत्री ने श्रीलंका मित्र विभूषण से सम्मानित किये को गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल उनका बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह भारत और श्रीलंका के लोगों के बीच ऐतिहासिक संबंधों और गहरी मित्रता का सम्मान है। प्रधानमंत्री ने अपने पिछले दौरों को याद करते हुए श्रीलंका के लोगों के धैर्य और साहस की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि आज श्रीलंका वापस प्रगति के पथ है। हमें गर्व है कि हमने एक सच्चे पड़ोसी मित्र के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाहन किया है। संकट में श्रीलंका के लोगों के साथ खड़े रहे। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के मजबूत संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि राष्ट्रपति दिसानायके ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना था और उनके यहां पहले विदेश अतिथि बनने का उन्हें सौभाग्य मिला। यह हमारे विशेष संबंधों की गहराई का प्रतीक है।

भारत-श्रीलंका के बीच सात समझौतों पर मुहर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच कोलंबो में हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद शुक्रवार को सात समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए। भारत की ओर से श्रीलंका को पांच परियोजनाओं की सौगत मिली और कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति से भारतीय मछुआरों का मुद्दा उठाया और उन्हें तुरंत रिहा किये जाने और उनकी नौकाओं को वापस भेजने पर बल दिया। वहीं श्रीलंका के राष्ट्रपति ने भारत को मुश्किल वक्त का सहयोगी बताया और आश्वसन दिया कि श्रीलंका अपनी भूमि का उपयोग भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल किसी भी तरीके से नहीं होने देगा। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने दोनों नेताओं की वार्ता के बाद पत्रकार वार्ता में बताया कि श्रीलंकाई अधिकारियों ने 11 मछुआरों को रिहा करने का निर्णय लिया है और उन्हें विश्वास है कि आने वाले दिनों में कुछ और मछुआरों को रिहा किया जाएगा।

दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू हुई

रमाकान्त पाण्डेय

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शनिवार को आयुष्मान भारत योजना लागू कर दी गई। शनिवार को आकाशवाणी के रंगभवन में आयोजित कार्यक्रम में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को दिल्ली में लागू करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) और दिल्ली सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस योजना के तहत निर्धारित इलाज के खर्च का 60 प्रतिशत केंद्र और 40 प्रतिशत दिल्ली सरकार वहन करेगी। दिल्ली में इस योजना के लागू होने से दिल्ली के 6 लाख 54 हजार परिवारों को पांच लाख रुपये का सालाना स्वास्थ्य बीमा मिलेगा। इसके साथ ही दिल्ली सरकार भी पांच लाख रुपये का अतिरिक्त टॉपअप देगी। यानि कुल 10 लाख रुपये तक का इलाज दिल्ली के लोग देश के किसी भी पंजीकृत निजी अस्पतालों में करा सकेंगे। 10 अप्रैल से लोगों को कार्ड वितरित किए जाएंगे। दिल्ली आयुष्मान भारत योजना लागू करने वाला 35वां राज्य बन गया है। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित दिल्ली के सभी भाजपा सांसद मौजूद थे। इस अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। इस योजना के तहत देश के पचास करोड़ लोग लाभान्वित हो रहे हैं। यह योजना है। दिल्ली आयुष्मान भारत योजना लागू करने वाला 35वां राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव के दौरान भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में आयुष्मान भारत को लागू करने और दिल्ली सरकार की तरफ से अलग से पांच लाख देने का वायदा किया गया था। उसे सरकार बनने के महज 43 दिनों में ही पूरा किया गया। अब लोगों को 10 अप्रैल से आयुष्मान कार्ड मिलने शुरू हो जाएंगे। अब दिल्ली के लोग देश के 30 हजार से भी अधिक अस्पतालों में मुफ्त इलाज करा सकेंगे। यह आज का बदलता भारत है। इस अवसर पर स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि देश में यह योजना साल 2018 में शुरू हुई थी लेकिन तब की दिल्ली सरकार ने इस योजना का लाभ यहां के लोगों को नहीं होने दिया।

नक्सली आत्मसमर्पण करें, सरकार संरक्षण देगी : शाह

दंतेवाड़ा, (हि.स.)। बस्तर पंडुम महोत्सप 2025 को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं अभी-अभी बस्तर की अराध्य मां दंतेश्वरी का दर्शन कर माता से आशीर्वाद लेकर आया हूं कि अगले चैत्र नवरात्र तक लाल आतंक खत्म हो जाये और बस्तर खुशहाल हो जाये। उन्होंने कहा कि बस्तर से नक्सलवाद खत्म होने के कगार पर पंहुच गया है। केंद्रीय गृहमंत्री ने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने की अपील करते हुए कहा कि आप भी हमारे अपने हैं। किसी को मारकर खुशी नहीं होती। इसीलिए हम कहते हैं कि आत्मसमर्पण करें। भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार आत्मसमर्पित नक्सलियों को संरक्षण देगी। लेकिन अगर आप हथियार लेकर देश के विकास में बाधक बनेंगे तो सुरक्षाबल आपसे निपटेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा नक्सली हथियार लेकर आदिवासी भाई बहनों का विकास नहीं रोक सकते। इसके लिए पूरे मन से अपील है। विकास के लिए हाथ में बंदूक की जरूरत नहीं है कंप्यूटर चाहिए। आज हम नक्सलवाद के खिलाफ दोनों तरफ से आगे बढ़ रहे हैं। जो समझ गए हैं कि विकास के लिए हाथ में बंदूक की जरूरत नहीं है, कंप्यूटर की जरूरत है। विकास के लिए आईईडी, हथगोला नहीं चाहिए कलम चाहिए, उन्होंने सरेंडर कर दिये हैं।

अमित शाह ने मंच से कहा कि साल 2025 में अब तक 521 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। साल 2024 में 881 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। जो सरेंडर करेंगे वो मुख्य धारा में आएंगे और जो हथियार लेकर आएंगे उनके साथ सुरक्षा कर्मी निपटेंगें। जो भी होगा मार्च तक पूरे देश को इस लाल आतंक से मुक्त करने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार करेगी।

उन्होंने कहा, इस क्षेत्र को विकास की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच वर्ष में बस्तर को वह सब कुछ देना चाहते हैं, जिसने 50 साल से विकास नहीं देखा। लेकिन यह कैसे हो सकता है? यह तभी हो सकता है जब बस्तर में शांति हो, बच्चे स्कूल जाएं, गांवों और तहसीलों में स्वास्थ्य सुविधाएं हों, हर किसी के पास आधार कार्ड, राशन कार्ड और स्वास्थ्य बीमा हो। यह तभी हो सकता है जब बस्तर के लोग तय करें कि वे अपने घरों और गांवों को नक्सल मुक्त बनाएंगे।

उन्होंने नक्सल प्रभावित इलाकों के ग्रामवासियों से कहा कि ग्राम स्तर पर ग्रामसभा कर नक्सलियों को आत्मसमर्पण करवाकर गांवों को नक्सल मुक्त बनाइए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने घोषणा की है कि जो गांव नक्सलियों के आत्मसमर्पण में मदद करेंगे और खुद को माओवादी मुक्त घोषित करेंगे, उन्हें एक करोड़ रुपये (निर्माण कार्यों के लिए) दिए जाएंगे। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर पंडुम का आयोजन होगा। अगले साल बस्तर पंडुम के नाम से देश के हर एक कोने से आदिवासी जनजातीय समुदाय के लोग यहां पहुंचेंगे। उन्होने कहा कि बस्तर पंडुम महोत्सव को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी देशों के राजदूतों को बस्तर भ्रमण करवाया जाएगा।

पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराने के बाद बीएसएफ ने पाकिस्तान रेंजर्स के समक्ष दर्ज कराया विरोध

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू क्षेत्र के आरएस पुरा की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराने के बाद बीएसएफ ने पाकिस्तान रेंजर्स के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने आरएस पुरा सेक्टर में सीमा चौकी अब्दुलियान इलाके में हुई घटना के बाद पाकिस्तान रेंजर्स के समक्ष कड़ा प्रतिरोध किया है।

बीएसएफ प्रवक्ता ने कहा कि चार और पांच अप्रैल की मध्यरात्रि को सतर्क बीएसएफ जवानों ने जम्मू सीमा क्षेत्र में संदिग्ध हलचल देखी और एक घुसपैठिए को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करते देखा गया। जवानों ने घुसपैठिए को चुनौती दी, लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया और आगे बढ़ता रहा। बीएसएफ जवानों ने खतरा भांपते हुए घुसपैठिए को मार गिराया। घुसपैठिए की पहचान और मकसद का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ ने पुलिस को सूचित किया जिसने शव को पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी औपचारिकताओं के लिए भेज दिया।

सूत्रों ने बताया कि शनिवार को दोपहर करीब 1:10 बजे बीएसएफ ने घटनास्थल के पास पाकिस्तान रेंजर्स के साथ एक छोटी अवधि की फ्लैग मीटिंग की। घुसपैठ की कोशिश को लेकर पाकिस्तानी पक्ष के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान पाकिस्तानी पक्ष ने घुसपैठिए का शव लेने से इनकार कर दिया। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष है और उसके पास से कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली है।

चित्रकूट में दलितों के 32 घर जलकर खाक

चित्रकूट, (हि.स.)। जिले के राजापुर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत भदेहदू के दलित बस्ती में दोपहर में महुआ के बगीचे की पत्तियों से लगी आग की चिंगारी ने पांच सौ मीटर दूर तेज हवाओं से लगभग ढाई दर्जन मकानों को जलाकर राख के ढेर में तब्दील कर दिया है। घरों में धधकती आग इतनी विकराल थी कि लोग अपने घरों से सामान नहीं निकाल पाए। जान बचाकर मैदानों की ओर पलायन करने लगे। कुछ रोती बिलखती अग्निपीड़ित महिलाएँ इधर उधर अपना सामान लेकर भागती रहीं। भीषण अग्निकांड की खबर पाकर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी हर्षिता देवड़ा, क्षेत्राधिकारी जयकरन सिंह तथा कई थाना इंचार्ज और दमकल की चार गाड़ियां दो घण्टे बाद पहुंच गईं और आग बुझाने में जुट गईं। लेकिन इसके पूर्व सभी 32 परिवारों के घर जलकर राख हो गए थे। वहीं इस अग्निकांड का सीएम योगी ने संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को पीड़ित परिवारों की हर संभव मदद करने के कड़े निर्देश दिये हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार को दोपहर करीब ढाई बजे ग्राम पंचायत भदेहदू की दलित बस्ती निवासी हेमराज, राममूरत, लक्ष्मी, रामराज, मनीचन्द्र, छेददा, राजेश, ब्रजेश, रामकरण, रामसूरत, चुन्ना, रामबाबू, विश्वास, शिवकुमार, ढुनगू, संतोष, झबुआ, भोंडा, दउवा, नत्थू, चुन्नी, राधेश्याम, राजेश रमेश, भोंडू, अनुवा, कलमत, राजा, कुन्नू, राकेश, अनुरुद्ध व रज्जन देवी सहित 32 परिवारों के मकानों में भीषण आग लग जाने से भारी क्षति हुई है। आग की पणरहाई बगीचे से ढाई बजे शुरूआत हुई थी, महुआ बीनने के लिए साफ करके पत्तियां जलाई गई थीं और बगीचा उक्त बस्ती से पांच सौ मीटर दूरी पर था। लोगों को यह अंदाजा नहीं था कि आग बस्ती तक पहुँच जाएगी। लेकिन तेज हवाओं के चलते आग की चिनगारी सरपतों में लगती हुई आग बस्ती तक पहुंच गई। जब आग लगी तब ग्रामीण खेतों में कटाई कर रहे थे और छोटे छोटे बच्चे व वृद्ध घरों में थे। आग लगने की खबर पाकर गेहूँ कटाई छोड़कर लोग घरों की ओर भागे और अग्नि का ताण्डव इस कदर था कि एक एक घरों से उड़ती हुई आग ने 32 घरों को अपनी चपेट में ले लिया और लोग घरों से कुछ भी सामान निकाल नहीं पाए।

बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर सरकार की ओर देख रही है हर बेटी : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। नवरात्रि के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज शालीमार बाग के राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय में कन्या पूजन (कंजक) का आयोजन कर मां दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक मानी जाने वाली कन्याओं का विधिवत पूजन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की हर बेटी बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा की उम्मीद लेकर सरकार की ओर देख रही है।

कन्या पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने स्कूल की छात्रों के साथ संवाद किया और उनके समस्याओं को जानने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि आज यहां बच्चियों के साथ हुई बातचीत के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता, स्वच्छता, साफ पानी की उपलब्धता और बेहतर स्कूल के इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। इस संवाद के दौरान मुझे यह महसूस हुआ कि ये समस्याएं केवल किसी एक बच्ची की नहीं बल्कि दिल्ली की हर बेटी की आवाज हैं—जो बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा की उम्मीद लेकर सरकार की ओर देख रही हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह खुद भी एक सरकारी स्कूल की छात्रा रही हैं और आज दिल्ली की मुख्यमंत्री के पद पर हैं। इसका अर्थ है कि हर बच्ची अपने सपनों को साकार कर सकती है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी छात्रा को किसी भी प्रकार की आवश्यकता हो, तो वह निःसंकोच अपनी अध्यापिका को बताए। अध्यापिका सीधे मुख्यमंत्री से संपर्क कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि आज का कन्या पूजन कार्यक्रम केवल आशीर्वाद देने का नहीं, बल्कि बच्चियों की बातें सुनने और उनकी उम्मीदों को समझने का अवसर भी था। उन्होंने कहा कि जो समस्याएं बच्चियों ने साझा की हैं, वे सरकार के लिए दिशा निर्धारण का काम करेंगी। दिल्ली सरकार दिल्ली को बेटियों के लिए एक सुरक्षित, समृद्ध और सशक्त शहर बनाने के लिए कृतसंकल्पित है।

वक्फ संशोधनों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन की घोषणा

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने संसद द्वारा पारित हालिया वक्फ संशोधनों को इस्लामी मूल्यों, धर्म और शरिया, धार्मिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता, सांप्रदायिक सद्भाव और भारतीय संविधान की मूलभूत संरचना पर गंभीर हमला घोषित किया है। भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे को कुछ राजनीतिक दलों द्वारा दिए गए समर्थन ने उनके तथाकथित धर्मनिरपेक्ष मुखौटे को पूरी तरह से उजागर कर दिया है। वह सभी मुस्लिम धार्मिक, समुदाय और सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय में इन संशोधनों के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का नेतृत्व करेगा।

अष्टमी के अवसर पर राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, शालीमार बाग में कन्या पूजन करती दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

एनडीएमसी के शिविर में मिलीं 65 जन शिकायतें

नई दिल्ली, (हि.स.)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने क्षेत्रीय लोगों और सेवाओं के उपयोगकर्ताओं के लिए शनिवार को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में शिकायत निवारण सुविधा शिविर का आयोजन किया। इसमें लोगों से जुड़ी जानकारियां, सुविधा, सूचना और शिकायतों का समाधान एक ही जगह पर उपलब्ध किया गया।

एनडीएमसी के अधिकारियों को शिविर में जनता से 65 शिकायतें प्राप्त हुईं। नई दिल्ली क्षेत्र के निवासियों की अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित थीं।

एनडीएमसी नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सैकड़ो स्थानीय निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं ने सुविधा शिविर का दौरा किया। सभी सार्वजनिक शिकायतों पर जनता द्वारा एनडीएमसी के विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारियों के साथ शीघ्र समाधान के लिए चर्चा की गई।

शिकायतों के निवारण के लिए एनडीएमसी के 30 विभागों के सौ से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारी शिविर में मौजूद थे। विभिन्न विभागों के हेल्प डेस्क की देखरेख विभागाध्यक्षों द्वारा की गई।

इन सुविधा शिविरों के आयोजन के अलावा पालिका परिषद ने एनडीएमसी क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं के लिए संपर्क रहित शिकायत निवारण तंत्र के रूप में एक जन सुविधा पोर्टल भी लॉन्च किया है। इस जन सुविधा पोर्टल का लिंक एनडीएमसी की वेबसाइट पर दिया गया है।

इस पोर्टल का उपयोग शिकायतकर्ता अपनी शिकायतों के निवारण और प्रतिक्रिया देने के लिए कर सकता है।

पीएम-जनमन के तहत त्रिपुरा और ओडिशा के लिए प्रमुख बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की घोषणा

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाग अभियान (पीएम-जनमन) के संपर्क घटक के तहत त्रिपुरा और ओडिशा के लिए कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसके तहत त्रिपुरा को 76.47 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 84.352 किलोमीटर लम्बी 25 सड़कें तथा ओडिशा को 69.65 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 63.271 किलोमीटर लम्बी 26 सड़कें तथा 2 पुल स्वीकृत किए गए हैं।

यह जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि ग्रामीण संपर्क को मजबूत करने और आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस क्रम में त्रिपुरा राज्य को 76.47 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 84.352 किलोमीटर लंबी 25 सड़कें मंजूर की गई हैं। इस पहल को जारी रखते हुए पीएम-जनमन के तहत राज्य में 114.32 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 118.756 किलोमीटर लंबी 42 सड़कों को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। ओडिशा राज्य को 69.65 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 63.271 किलोमीटर लंबी 26 सड़कें और 2 लंबी अवधि के पुल (एलएसबी) मंजूर किए गए हैं। इस पहल को जारी रखते हुए पीएम-जनमन के तहत राज्य में 219.40 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 211.14 किलोमीटर लंबी 66 सड़कें और 4 एलएसबी पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं। इस ऐतिहासिक पहल का मकसद राज्यों में कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) बस्तियों को सभी मौसमों के लिए सड़क संपर्क प्रदान करना है। इससे इन राज्यों में रहने वाले विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ने से दूरदराज के गांवों और शहरी केंद्रों के बीच की खाई को पाटने में मदद मिलेगी और क्षेत्र में आर्थिक विकास, व्यापार और वाणिज्य को गति मिलेगी। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बाजार जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंच में सुधार होगा तथा रोजगार के अवसर सृजित होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलेगा।

कांग्रेस ने ट्रंप की 'रेसिप्रोकल टैरिफ' की घोषणा को वैश्विक व्यापार के लिए खतरनाक करार दिया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा की गई ₹रेसिप्रोकल टैरिफ₹ की घोषणा को वैश्विक व्यापार के लिए खतरनाक बताया है। पार्टी का कहना है कि यह देश और दुनिया के कारोबारी जगत के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है। इससे अमेरिका को भी नुकसान होगा। यह सोच गलत है कि वहां कोई निर्माण क्रांति आएगी। कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री आनंद शर्मा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दो दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रपति ने ₹रेसिप्रोकल टैरिफ₹ की घोषणा की, जिससे पूरी दुनिया के व्यापार को चोट पहुंची है।

आज का राशिफल

मेष राशि-कार्य-कुशलता एवं समृद्धि के योग, फलप्रद स्थिति में कार्य बनेंगे।

वृष राशि-कार्य की तत्परता से लाभ एवं इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, कार्य में ध्यान दें।

मिथुन राशि-व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि, कार्य कुशलता से संतोष, लाभप्रद स्थिति रहे।

कर्क राशि-सोच समझ कर शक्ति लगाएं अन्यथा कुछ विभ्रम, विकार, क्लेश हों।

सिंह राशि-समय अनुकूल नहीं, विशेष कार्य स्थिगित रखें, लेनदेन के मामले में हानि।

कन्या राशि-मानसिक विभ्रम, किसी आरोप में फंस सकते हैं, सतर्कता से कार्य करें।

तुला राशि-भाग्या का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य बनेंगे, कार्य संतोष होगा।

वृश्चिक राशि-कार्य कुशलता से संतोष, योजनाएं फलीभूत होंगी, सफलता मिले।

धनु राशि-सफलता के साधन जुटायें, धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष हो।

मकर राशि-अरोप, क्लेश, असमंजस, धन का लाभ, सफलता से हर्ष अवश्य होगा।

कुंभ राशि-इष्ट मित्र सुखवर्धक हों, स्त्री शरीर कष्ट तथा मित्र चिन्ता, दुख होवे।

मीन राशि-इष्ट मित्र सहायक रहें, दैनिक कार्यगति में अनुकूलता होगी।

-अम्बुजा तिवारी

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने डिफेंस कॉलोनी में 7.30 करोड़ की लागत से बनने वाली पुलिया का शिलान्यास किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने शनिवार को कस्तूरबा नगर विधानसभा में डिफेंस कॉलोनी स्थित रतनलाल सहदेव मार्ग पर पुलिया निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि पुलिया का निर्माण 7.30 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। इसको 11 महीने के भीतर जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि यह सब डबल इंजन सरकार की ताकत के कारण संभव हुआ है। केंद्र और राज्य सरकार लोगों के कल्याण के लिए मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य दिल्ली के हर कोने में विकास लाना है और यह परियोजना उसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इस अवसर पर नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज और स्थानीय विधायक नीरज बसोया मौजूद रहे। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि यह लोगों की लंबे समय से मांग थी, जिसे पूरा करने का काम शुरू हो गया है। पुलिया का निर्माण 7.30 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा और 11 महीने के भीतर इसे जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। पुलिया मुख्य नाले के ऊपर बनाई जाएगी जो 25 मीटर लंबी और 18 मीटर चौड़ी होगी। बांसुरी स्वराज ने कहा कि 7.30 करोड़ की लागत से बनने वाली यह पुलिया अब क्षेत्रवासियों के लिए सुगम आवागमन और सुरक्षित यातायात का आधार बनेगी। यह निर्माण कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित दिल्ली के संकल्प की दिशा में वचनबद्धता से कार्यान्वयन का प्रमाण है।

दिल्ली की जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना विधानसभा की जिम्मेदारी : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता का मानना है कि इस पद की कुर्सी बड़ी है, इसलिए जिम्मेदारी भी बड़ी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना विधानसभा की जिम्मेदारी है। रोहिणी सेक्टर-9 स्थित विनोबा कुंज अपार्टमेंट्स के निवासियों द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में अपने विचार साझा करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विधानसभा का सदन दिल्ली की जनता ने अपने लिए चुनकर भेजा है। विधायकों का कर्तव्य है कि विधानसभा में जनता की समस्याओं पर चर्चा हो, विचार-विमर्श हो और उनके समाधान निकाले जाएं। उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास सदन को व्यवस्थित रूप से चलाने का रहता है। सदन में विचार-विमर्श हो। हाल ही में बजट सत्र में 28 घंटे की बहस हुई, जिसमें जनता की कई समस्याओं के समाधान निकले। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वे आत्मीय स्वागत और विनोबा कुंज अपार्टमेंट्स के निवासियों द्वारा दिए गए अपार समर्थन का अत्यंत आभारी हैं। वे भाषण देते समय भावुक भी हुए। उन्होंने कहा विनोबा कुंज वह कई वर्षों से रह रहा हू, यह मेरा परिवार है। मेरे बच्चे यहां बड़े हुए। उन्होंने निवासियों का आभार व्यक्त करते हुए अपनी नई जिम्मेदारी में ईमानदारी और समर्पण के साथ जनता की सेवा करने के संकल्प को दोहराया।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने डिफेंस कॉलोनी में 7.30 करोड़ की लागत से बनने वाली पुलिया का शिलान्यास किया।

सूडोकु नवताल- 7392

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7391 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

दैनिक पंचांग

6 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

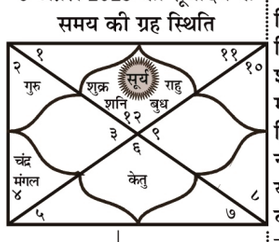

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.15 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृष	07.55 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.53 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.07 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.23 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.35 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.46 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.00 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.16 बजे से
राहुकाल		मकर	01.21 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		कुंभ	03.08 बजे से
		मीन	04.41 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 96 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081
शक संवत् 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 19.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य अहोरात्र।
योग सुकर्मा 18.55 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.20 बजे तदनन्तर कौलव 19.24 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 07.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 28'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872306
जूलियन दिन 2460771.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल **तारीख** 07
विशेष श्रीराम नवमी, स्वामीनारायण जयंती, महातारा जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8454

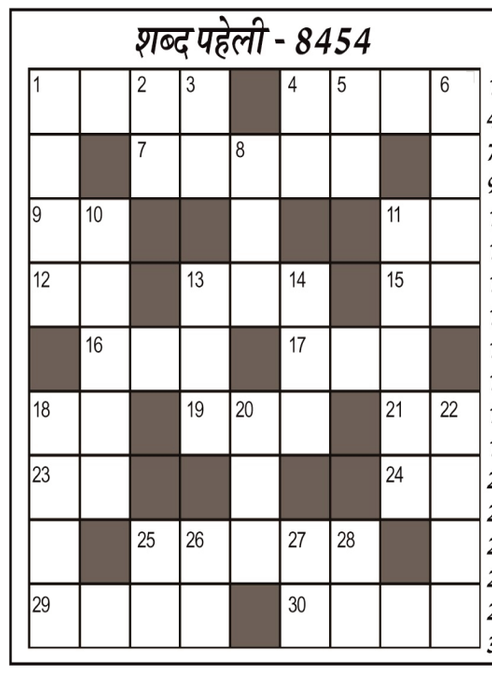

बाएँ से दाएँ

1. दुर्व्यवहार, बुरा आचरण-4
4. पंजाब की एक नदी-4
7. अनाथालय-5
9. दूसरा, पराया-2
11. चलने का तरीका-2
12. नृत्य-2
13. समीप, पास, नजदीक-3
15. बुरी आदत-2
16. नृत्य करना-3
17. प्रलोभन, हवस, तृष्णा-3
18. मालिक, ईश्वर-2
19. निहित, कारण-3
21. भाग्य(अंग्रेजी-2)
23. थूक, लेस-2
24. नवीन, नव-2
25. नयापन, अनूठापन-5
29. नामवाला, नामचिन-4
30. करिश्मा, चमत्कार-4

ऊपर से नीचे

1. मनोरचना, मनगढ़ंत-4
2. कोक, कहवा-2
3. कामदेव की पत्नी-2
4. मित्र, दोस्त-2
5. पेड़ का मध्य भाग-2
6. नादानी, अनाड़ीपन-4
8. बंदर नचाने वाला-3
10. रचना करने वाला-5
11. आरचण, चरित्र-5
13. कपड़े की दिवार-3
14. उठा ले जाना, बलपूर्वक-3
18. पूजा, प्रार्थना-4
20. खूबसुरत, सुन्दर-3
22. कहर, भूचाल-4
25. नया, नवीन-2
26. शूर, बहादूर, सूरमा-2
27. अवधि में, पर्यंत-2
28. मृत, अप्रबल-2

शब्द पहेली -8453 का हल

	क	थ	न		सी	धा	प	न
झ			ज	रु	र			म
ल		जा	र		त	र		की
क	म	र	बं	द		म	हा	न
	ग		द		प		जि	
म	न	का		प	रि	चा	र	क
द		का	र		चा	ल		ह
म			ह	म	ल			वा
स्त	र	ही	न		क	हा	नी	

Jagrutidaur.com, Bangalore

पंबन ब्रिज रेलवे इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण पुलों में से एक है : वैष्णव

चेन्नई, (हि.स.)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को पंबन ब्रिज को भारतीय रेलवे के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण पुलों में से एक बताया। उन्होंने इस पुल के अद्वितीय डिजाइन पर जोर देते हुए कहा कि यह समुद्री जल में बना भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट ब्रिज है, जो तमिल विरासत और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के लिए इसके महत्व को दशार्ता है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया से बातचीत में कहा, पम्बन ब्रिज रेलवे के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण पुलों में से एक है। यह समुद्री जल में बना पहला वर्टिकल लिफ्ट ब्रिज होगा और यह तमिल इतिहास, संस्कृति, प्राचीन तमिल सभ्यता और तमिल भाषा के लिए सबसे महान वास्तुशिल्प चमत्कारों में से एक है...इसका उद्घाटन कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी कल यानी रविवार 6 अप्रैल को नवनिर्मित पंबन रेलवे ब्रिज का उद्घाटन करेंगे और रामनवमी के अवसर पर तमिलनाडु के रामेश्वरम में रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना भी करेंगे।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने बताया कि 535 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बना यह पुल जंग से क्षतिग्रस्त हुए पुराने ढांचे की जगह लेगा। तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में स्थित यह पुल भारत के चारधाम तीर्थ स्थलों में से एक रामेश्वरम को रामेश्वरम द्वीप से जोड़ता है।

उन्होंने कहा कि यह भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज होगा, जो देश के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने बताया कि पुराने पुल को मूल रूप से मीटर गेज ट्रेनों के लिए बनाया गया था, जिसे ब्रॉड गेज यातायात के लिए मजबूत किया गया और 2007 में फिर से खोला गया। फरवरी 2019 में, रेल मंत्रालय ने पुराने ढांचे को बदलने के लिए एक नए पुल के निर्माण को मंजूरी दी।

केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने नवंबर 2024 में एक्स पर भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज के बारे में पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने कहा था, 1914 में निर्मित, पुराने पंबन रेल पुल ने 105 वर्षों तक मुख्य भूमि को रामेश्वरम से जोड़े रखा। दिसंबर 2022 में जंग लगने के कारण बंद कर दिया गया, इसने आधुनिक न्यू पंबन ब्रिज के लिए मार्ग प्रशस्त किया, जो कनेक्टिविटी के एक नए युग को चिह्नित करता है!

यह पुल 2.5 किमी से अधिक लंबा है और इसका निर्माण रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) द्वारा किया गया था। इसे तेज ट्रेनों और बढ़े हुए ट्रैफि क को संभालने के लिए डिजाइन किया गया है। नया पंबन ब्रिज न केवल कार्यात्मक है, बल्कि यह प्रगति का प्रतीक है, जो लोगों और स्थानों को आधुनिक इंजीनियरिंग से जोड़ता है।

गुजरात के बनासकांठा हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों से मिले केन्द्रीय मंत्री शिवराज, घर जाकर दी सांत्वना।

दंतेवाड़ा। गृहमंत्री शाह ने मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश वासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

मनोज कुमार पंचतत्व में विलीन, नम आंखों से सितारों ने दी अंतिम विदाई

मुम्बई 5 अपैल (हि.स.) हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार को आज, शनिवार को दोपहर 12 बजे उन्हें अंतिम विदाई दी गई। दिग्गज अभिनेता का अंतिम संस्कार काफी गमगीन माहौल में विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान घाट में हुआ।

भारत कुमार के नाम से प्रसिद्ध अभिनेता मनोज कुमार अब पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका अंतिम संस्कार मुंबई के पवन हंस श्मशान घाट पर किया गया, जहां उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी गई। यह सम्मान न केवल उनके सिनेमा में अतुलनीय योगदान के लिए था, बल्कि उनकी देशभक्ति से ओत-प्रोत फिल्मों और सामाजिक सरोकारों के प्रति उनके समर्पण को भी दशार्ता है। मनोज कुमार अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनका सिनेमा, आदर्श और व्यक्तित्व हमेशा भारतीय सिनेप्रेमियों के दिलों में जीवित रहेगा।

मनोज कुमार की पत्नी शशि गोस्वामी अपने दिवंगत पति को अंतिम विदाई देने के लिए श्मशान घाट पहुंची। अंतिम संस्कार के मौके पर शशि गोस्वामी बेहद भावुक नजर आईं और अपने जीवनसाथी को अंतिम विदाई दी। मौके पर मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम थीं और पूरे माहौल में गहरा शोक व्याप्त था। गौरतलब है कि अभिनेता मनोज कुमार का शुक्रवार को 87 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। वह पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। उनके बेटे कुणाल गोस्वामी ने जानकारी दी कि मनोज कुमार पिछले 2-3 हफ्तों से बीमार

थे और कोकिलाबेन अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। शुक्रवार सुबह 3:30 बजे उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली।

दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन, बेटे अभिषेक बच्चन के साथ दिवंगत अभिनेता मनोज कुमार को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए जुहू स्थित श्मशान घाट पहुंचे। बच्चन परिवार ने मनोज कुमार के प्रति गहरा सम्मान जताते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर दोनों काफी भावुक नजर आए और पूरे माहौल में शोक और सम्मान की भावना साफ झलक रही थी। मनोज कुमार के दाह संस्कार में बॉलीवुड से जुड़े कई दिग्गज हस्तियों ने शिरकत की। अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, अनु मालिक, राज मुराद, प्रेम चोपड़ा, बिंदु दारा सिंह, जायद खान, सलीम खान अपने बेटे अरबाज खान के साथ मनोज कुमार के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। सभी ने हाथ जोड़कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। पवन हंस श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां फिल्म इंडस्ट्री के लोग उन्हें भावभीनी विदाई देने के लिए उपस्थित रहे। पूरे माहौल में गम और सम्मान की भावना साफ झलक रही थी। अभिनेता राजपाल यादव ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा, वह भारत के विश्व कला रत्न हैं, वह भारत रत्न हैं। मैं उन्हें सलाम करता हूं। वह हमारे बॉलीवुड के एक रत्न हैं और हमेशा रत्न ही रहेंगे।

मनोज कुमार के निधन पर अभिनेता प्रेम चोपड़ा भी काफी भावुक नजर आए। उन्होंने यादें साझा करते हुए कहा, मैं शुरू से ही उनके साथ था। हम 'शहीद' में साथ थे, जो उन हिट फिल्मों में से एक है... हमने कई फिल्मों में एक साथ काम किया है। वह जब भी फिल्म बनाते थे, तो कभी भी समझौता नहीं करते थे। वह अपने काम को लेकर बेहद समर्पित और सच्चे थे। प्रेम चोपड़ा की ये बातें मनोज कुमार के प्रति उनकी गहरी भावनात्मक जुड़ाव और सम्मान को दशार्ती हैं।

भारतीय अभिनेता और फिल्म निर्देशक मनोज कुमार के निधन पर संगीतकार और गायक अनु मलिक ने गहरी शोक संवेदना जताते हुए कहा, उन्होंने जो भी फिल्में बनाई हैं, वह समाज और देश के हित के लिए बनाई हैं। ऐसे लोग इस दुनिया में बार-बार नहीं आते। हमें मनोज कुमार की फिल्मों, उनके गानों और उनके निर्देशन से प्रेरणा लेनी चाहिए। मैं बहुत भावुक हूं, हर किसी की तरह... पूरा देश बहुत भावुक है कि एक ऐसा कलाकार चला गया जो इस दुनिया में कभी वापस नहीं आ सकता।

पिंजौर में 100 एकड़ में जल्द बनेगी फिल्म सिटी : नायब सैनी

रोहतक, (हि.स.)। विश्व संवाद केन्द्र तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय फिल्म महोत्सव शनिवार को समपन्न हो गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्यअतिथि शिरक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार ने फिल्म जगत को बढ़ावा देने और कलाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए 2 चरणों में फिल्म सिटी बनाने का निर्णय लिया है। पहले चरण में जिला पंचकूला के पिंजौर में 100 एकड में फिल्म सिटी बनाई जा रही है। इसके लिए जमीन निर्धारित की जा चुकी है और इस परियोजना के लिए कंसलटेंट लगाने की प्रक्रिया जारी है। जल्द ही फिल्म सिटी का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। दूसरे चरण में गुरुग्राम में फिल्म सिटी का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए जमीन के चयन की प्रक्रिया जारी है। इससे सिनेमा जगत से जुड़े कलाकारों को न केवल फायदा बल्कि प्रदेश में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस अवसर पर फिल्म जगत से जुड़े कलाकारो द्वारा अपनी मांगों का ज्ञापन भी सौंपा गया। मुख्यमंत्री ने फिल्म जगत से जुड़े कलाकारों की मांगों पर आश्वासन देते हुए कहा कि दूरदर्शन पर हफ्ते में एक बार हरियाणवी फिल्म का प्रदर्शन करने के संबंध में प्रसार भारती के साथ बातचीत कर इसे शुरू करवाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स को हरियाणा के प्रत्येक विश्वविद्यालय में फिल्म मेकिंग कोर्स शुरू करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके अलावा हर स्कूल में थिएटर एजुकेशन शुरू करने के लिए भी सुपवा शिक्षा विभाग के साथ मिलकर इस दिशा में प्रयास करेगा। साथ ही उन्होंने सिंगल स्क्रीन सिनेमा को पुनर्जीवित करने की मांग पर आश्वस्त किया और कहा कि हरियाणा सरकार ने क्षेत्रीय सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए फिल्म प्रोमोशन बोर्ड बनाया हुआ है। यह बोर्ड कला एवं सांस्कृतिक मामले विभाग के साथ मिलकर इस दिशा में नीति निर्धारण का काम करेगा। उन्होंने कहा कि फिल्म सब्सिडी के संबंध में सरकार की नीति के अनुसार आगामी 30 दिनों में लंबित पड़े सभी 5 आवेदनों की सब्सिडी का भुगतान कर दिया जाएगा। साथ ही सब्सिडी के लिए नए आवेदन भी मांगे जाएंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा की माटी में वीरता, कला और संस्कृति का अनमोल संगम है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह फिल्म महोत्सव हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को समझाने और उसे प्रोत्साहित करने का सराहनीय प्रयास है। यह केवल सिनेमा का पर्व नहीं है, बल्कि हरियाणवी संस्कृति, कला और भाषा के प्रति हमारी गहरी आस्था और सम्मान का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश राजनीतिक व प्रशासनिक इकाई के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक, प्राकृतिक, शौर्य, परंपरा और स्वाभिमानी जीवन जीने की अलग पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन और जन जागरण का भी सशक्त माध्यम है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि आज हरियाणा के युवाओं ने फिल्म जगत में जो पहचान बनाई है, वह गर्व का विषय है। हमारे बीच अभिनेता राजकुमार राव जैसे उदाहरण मौजूद हैं जिन्होंने अपने अभिनय और कार्य के माध्यम से हरियाणा का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उन्होंने कहा कि फिल्में अब सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रह गईं, अब यह सामाजिक परिवर्तन और प्रेरणा का माध्यम बन चुकी हैं। एक समय था जब फिल्मों को चलाने के लिए उन्हें स्विट्जरलैंड या अमेरिका ले जाना जरूरी होता था, लेकिन आज काशी और बनारस जैसे भारतीय स्थलों पर बनी कहानियां भी चर्चा में रहती हैं। इसका अर्थ है कि अब भारत की आत्मा और उसकी मिट्टी ही विश्व को आकर्षित कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोग अपनी मिट्टी, गाय, और संस्कृति की पूजा करते हैं और यही हमारी जड़ों से जुड़ी आस्था आज पूरी दुनिया को आकर्षित कर रही है। हमें अब खुद की कहानियाँ रचनी होंगी, और दुनिया को दिखाना होगा कि हमारा सांस्कृतिक और सामाजिक योगदान कितना समृद्ध है। सुनील आंबेकर ने कहा कि यह मंच हर उस युवा के लिए है जो देश के किसी भी कोने में रहकर फिल्म निर्माण, लेखन, निर्देशन या अभिनय से जुडना चाहता है। किसी का भी टैलेंट पीछे न रह जाए, यही इस आयोजन की सबसे बड़ी प्रेरणा है।

वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पारित होने से हुआ नए भारत का जन्म : इंद्रेश कुमार

कैथल, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा कि वक्फ बोर्ड पूरी तरह से माफिया के कंधों पर टिका हुआ था। जब से वक्फ बोर्ड बना है तब से लेकर आज तक इसके आकाओं ने झूठ और भ्रम पैदा करके देश के मुसलमानों को कुचलने का ही काम किया है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पारित होने से हुआ नए भारत का जन्म हुआ है। इस संशोधन विधेयक के पारित होने से कुछ लोगों को सरकार का यह निर्णय सही नही लग रहा है। इद्रेश कुमार शनिवार को कैथल में भाजपा नेता अरुण सर्राफ के निवास पर मीडिया से बातचीत रहे थे। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड पर एक संशोधन पास होना था जो जेपीसी को दिया गया। इसमें लाखों लोगों को शामिल किया गया, जिसमें लाखों लोगों ने अपने सुझाव भी दिए। यह एक ऐसा विधेयक था जिस पर इतना व्यापक मंथन हुआ और उस पर लंबी बहस भी चली। इसके बाद वह विधेयक पास भी हो गया। पहली बार ऐसा देखने को मिला कि वक्फ बोर्ड में कहीं भी पारदर्शिता नहीं थी, कोई कागजात आदि भी नहीं थे। एक किस्म से वक्फ बोर्ड कुछ मजहबी और सियासी नेताओं के माफिया का अड्डा मात्र बना हुआ था। क्योंकि किसी भी आम मुसलमान को इसका लाभ नहीं दिया गया था और न ही कोई वेलफेयर योजना बोर्ड द्वारा उपलब्ध करवाई गई थी। इसलिए यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि देश के लिए सचमुच में नव संवत नवरात्रे नये रूप में आए हैं। ईद भी नए रूप में आई है जिसमें एक नए भारत का जन्म होगा। इसलिए नए वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के बाद वक्फ बोर्ड को माफिया से मुक्ति मिली है। उन्होंने कहा कि 2025 की ईद इस बात के लिए जानी जाएगी कि इस दिन वक्फ बोर्ड को माफिया से आजादी मिली है। देश के मुसलमानों को असली आजादी 1947 में नहीं अपितु सही मायने में उन्हें आज आजादी मिली दिखाई देती है। अब निश्चित रूप से वेलफेयर की स्कीमें बनेंगी। उन्होंने कहा कि इस बिल के पारित होने से माफिया और वोट बैंक के जो खिलाड़ी थे, उनको बहुत बडा नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग देश की एकता व अखंडता के भी दुश्मन हैं। वक्फ बोर्ड माफिया बताएं कि आज तक कितने लाख मुसलमानों को लाभ पहुंचाया गया है। इंद्रेश कुमार ने कहा कि आज हर मुसलमान आजादी के बाद अपनी पहली ईद मना रहा है। क्योंकि अब मुसलमान वेलफेयर के साथ जुड़कर नए सपने देख रहा है। देश में मजहब के नाम पर होने वाले दंगे और भड़काए जाने वाले दंगों से भी मुक्त होगा।

दिल्ली के लाल किले पर होगा तीन दिवसीय विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन : मोहन यादव

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अतीत के गौरवशाली इतिहास को जन सामान्य के सामने लाने के लिये दो हजार वर्ष पहले सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन के सिद्धांतों पर स्थापित शासन संचालन व्यवस्था और उनकी कीर्ति पर केन्द्रित महानाट्य की प्रस्तुति दिल्ली के लाल किले पर 12 से 14 अप्रैल को होने जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ध्येय वाक्य 'विरासत से विकास की ओर' हमारे लिए एक पाथेय की तरह सिद्ध हो रहा है। हम विकास कार्यों में विरासत को महत्वपूर्ण स्थान दे रहे हैं। मध्य प्रदेश सरकार सुशासन को ध्यान में रखते हुए विकास और जनकल्याण की सभी गतिविधियां संचालित कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली में विक्रमोत्सव अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के महामंचन के संबंध में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के विराट व्यक्तित्व को सबके सामने लाने के लिए महानाट्य की कल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि जब इसका मंचन दिल्ली में 12, 13 और 14 अप्रैल को लाल किले पर होगा तो इसमें हाथी, घोड़ों, पालकी के साथ 250 से ज्यादा कलाकार अभिनय करते नजर आएंगे। महानाट्य में शामिल कलाकार निजी जीवन में अलग-अलग क्षेत्र के प्रोफेशनल्स हैं। महानाट्य में वीर रस समेत सभी रस देखने को मिलेंगे। महानाट्य का मंचन गौरवशाली इतिहास को विश्व के सामने लाने का मध्य प्रदेश सरकार का एक अभिनव प्रयास है। इस कालजयी रचना को सबके सामने रखने में दिल्ली सरकार का भी सहयोग मिल रहा है। इससे पहले हैदराबाद में भी विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल, सुशासन व्यवस्था का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है। वे एकमात्र ऐसे शासक थे, जिनके जीवन के विविध प्रसंगों से आज भी लोग प्रेरणा लेते हैं। उनके द्वारा किए गए कार्य और नवाचार आज भी प्रासंगिक हैं। वर्तमान में हिजरी और विक्रम संवत प्रचलन में हैं। इसमें विक्रम संवत उदार परंपरा को लेकर चलने वाला संवत है, अर्थात संवत चलाने वाले के लिए शर्त है कि जिसके पास पूरी प्रजा का कर्ज चुकाने का सामर्थ्य हो, वही संवत प्रारंभ कर सकता है। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने सुशासन, व्यापार-व्यवसाय को प्रोत्साहन और दूरदृष्टि से यह संभव किया। विक्रमादित्य ने विदेशी शक आक्रांताओं को पराजित कर विक्रम सम्वत का प्रारंभ 57 ईस्वी पूर्व में किया था। विक्रम संवत के 60 अलग-अलग प्रकार के नाम हैं। संवत 2082 को धार्मिक अनुष्ठानों के संकल्प में सिद्धार्थ नाम दिया गया है। ये 60 नाम चक्रीकरण में बदलते रहते है। विक्रमादित्य का न्याय देश और दुनिया में प्रचारित हुआ। यह सम्वत भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आधार वाला कालगणना सम्वत बन गया, जो आज भी प्रचलित है। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष में उज्जयिनी के सार्वभौम सम्राट विक्रमादित्य युग परिवर्तन और नवजागरण की एक महत्वपूर्ण धुरी रहे हैं और उनके द्वारा प्रवर्तित विक्रम सम्वत हमारी एक अत्यंत मूल्यवान धरोहर है।

पटना। रविंद्र भवन में आयोजित सम्राट अशोक की जयंती समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी साथ में राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा एवं अन्य।

सम्पादकीय

जीवन की मर्यादा है श्रीराम का जीवन

श्रीराम जीवन की मयार्दा हैं। सांस्कृतिक प्रेरणा है। समरसता का पर्याय हैं। भारतीय सांस्कृतिक दर्शन की धारा को प्रवाहित करने वाले भारतीय साहित्य में वसुधैव कुटुम्बकम का भाव सदैव समाहित रहा है। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण और संत तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस ने सामाजिक समरसता के भाव का प्रवाहन बहुत ही गहनता से किया है। उदारता के भाव से अनुप्राणित भारतीय साहित्य निश्चित ही विश्व समुदाय को अहिंसा और सामाजिक समरसता का धरातलीय संदेश देता है। जिसकी वर्तमान में पूरे विश्व को अत्यंत आवश्यकता है। वनवासी राम का सम्पूर्ण जीवन सामाजिक समरसता का अनुकरणीय पाथेय है। श्रीराम ने वनगमन के समय प्रत्येक कदम पर समाज के अंतिम व्यक्ति को गले लगाया। केवट के बारे में हम सभी ने सुना ही है, कि कैसे भगवान राम ने उनको गले लगाकर समाज को यह संदेश दिया कि प्रत्येक मनुष्य के अंदर एक ही जीव आत्मा है। बाहर भले ही अलग दिखते हों, लेकिन अंदर से सब एक हैं। यहां जाति का कोई भेद नहीं था। वर्तमान में जिस केवट समाज को वंचित समुदाय की श्रेणी में शामिल किया जाता है, भगवान राम ने उनको गले लगाकर सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। सामाजिक समरसता के भाव को नष्ट करने वाली जो बुराई आज दिखाई दे रही है, वह पुरातन समय में नहीं थी। समाज में विभाजन की रेखा खींचने वाले स्वार्थी व्यक्तियों ने भेदभाव को जन्म दिया है। वर्तमान में हम स्पष्ट तौर पर देख रहे हैं कि समाज को कमजोर करने का सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है, जिसके कारण जहां एक ओर समाज की शक्ति तो कमजोर हो रही है, वहीं देश भी कमजोर हो रहा है। वर्तमान में राम राज्य की संकल्पना को साकार करने की बात तो कही जाती है, लेकिन उसके लिए सकारात्मक प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। सामाजिक एकता स्थापित करने के लिए रामायण हम सभी को उचित मार्ग दिखा सकती है। यह भी सर्वविदित है कि राम वन गमन के दौरान भगवान राम ने निषादराज को भी गले लगाया, इसका यही तात्पर्य है कि भारत में कभी भी जातिगत आधार पर समाज का विभाजन नहीं था। पूरा समाज एक शरीर की ही तरह था। जैसे शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द होता है, तब पूरा शरीर अस्वस्थ हो जाता था। इसी प्रकार समाज की भी अवधारणा है, समाज का कोई भी हिस्सा वंचित हो जाए तो सामाजिक एकता की धारणा समाप्त होने लगती है। हमारे देश में जाति आधारित राजनीति के कारण ही समाज में विभाजन के बीजों का अंकुरण किया गया। जो आज एकता की मयार्दाओं को तार-तार कर रहा है। भगवान राम ने अपने वनवास काल में समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का काम पूरे कौशल के साथ किया। समाज की संग्रहित शक्ति के कारण ही भगवान राम ने आसुरी प्रवृत्ति पर प्रहार किया। समाज को निर्भयता के साथ जीने का मार्ग प्रशस्त किया। इससे यही शिक्षा मिलती है समाज जब एक धारा के साथ प्रवाहित होता है तो कितनी भी बड़ी बुराई हो, उसे नत मस्तक होना ही पड़ता है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो संगठन में ही शक्ति है। इससे यह संदेश मिलता है कि हम समाज के साथ कदम मिलाकर नहीं चलेंगे तो हम किसी न किसी रुप में कमजोर होते चले जाएंगे और हमें कोई न कोई दबाता ही चला जाएगा। सम्पूर्ण समाज हमारा अपना परिवार है। कहीं कोई भेदभाव नहीं है। जब इस प्रकार का भाव बढ़ेगा तो स्वाभाविक रुप से हमें किसी भी व्यक्ति से कोई खतरा भी नहीं होगा। आज समाज में जिस प्रकार के खतरे बढ़ते जा रहे हैं, उसका अधिकांश कारण यही है कि समाज का हिस्सा बनने से बहुत दूर हो रहे हैं। अपने जीवन को केवल भाग दौड़ तक सीमित कर दिया है। यह सच है कि व्यक्ति ही व्यक्ति के काम आता है। यही सांस्कृतिक भारत की अवधारणा है। पूरे विश्व में भारत एक सांस्कृतिक राष्ट्र के रुप में पहचाना जाता है, जब हम भारत को राष्ट्र बोलते हैं, तब हमें इस बात का बोध होना ही चाहिए कि राष्ट्र आखिर होता क्या है? हम इसका अध्ययन करेंगे तो पता चलेगा कि राष्ट्र की एक संस्कृति होती है, एक साहित्यिक अवधारणा होती है, एक आचार-विचार होता है, एक जैसी परंपराएं होती हैं। भगवान राम के जीवन में इन सभी का साक्षात दर्शन होता है, इसलिए कहा जा सकता है कि राम जी केवल वर्ग विशेष के न होकर सम्पूर्ण विश्व के हैं। उनके आदर्श हम सभी के लिए हैं। हमें राम जी के जीवन से प्रेरणा लेकर ही अपने जीवन को उत्सर्ग के मार्ग पर ले जाने का उपक्रम करना चाहिए।

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो!

इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

आरएनआई नं. DELHIN/2009/28518 स्वामी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक रमाकांत पाण्डेय द्वारा दिव्य भारत प्रकाशन के लिए न-93 डी नारायण नगर दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफल इंफोटेक लि., प्रेस, सी-9 सेक्टर 3 नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : रमाकांत पाण्डेय, कार्यकारी सम्पादक : आलोक पाण्डेय, फोन : 7701825882, 7905152597, पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए उत्तरदायी।
E-mail : newdibyabharat@gmail.com

भगवान राम का आदर्श प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सिद्ध हो

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

भगवान विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम को मयार्दा पुरुषोत्तम कहा जाता है, लेकिन गौर से देखा जाए और उनके जीवन वृतांतों का अध्ययन किया जाए तो हम पाएंगे कि भगवान राम समस्त मयार्दाओं से परे हैं। उन्होंने अपने आचरण के माध्यम से ऐसी अनेक मयार्दाएं स्थापित कीं, जिनका अनुसरण करके कोई भी साधारण मनुष्य स्वयं को मयार्दा पुरुषोत्तम के रूप में स्थापित कर सकता है। उनका जीवन दर्शन ऐसा है जो स्वयं अनेक मयार्दाओं को स्थापित करता है। उनके ऐसे परम पावन व्यवहार का शुभारंभ बचपन से ही हो जाता है। उदाहरण के लिए- जब भगवान राम अपने तीनों भाइयों- भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के साथ गुरु वशिष्ठ के आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं, तब अपने ईश्वरत्व को पूरी तरह त्याग कर गुरु और गुरु माता पर आश्रित ही रहते हैं। शिक्षा के दौरान गुरु वशिष्ठ और उनकी धर्मपत्नी देवी अरुंधति को भगवान राम अपने अभिभावक का दर्जा भी प्रदान करते हैं। उनका यही भाव तब गुरु विश्वामित्र के प्रति रहता है जब पिता दशरथ, राक्षसों का नाश करने के लिए उन्हें लक्ष्मण के साथ गुरु विश्वामित्र के हाथ सौंप देते हैं।

इस बेहद सौम्य और विनम्र स्वभाव के बावजूद राम सदैव अपने छोटे भाइयों को पुत्रवत स्नेह देते रहे और एक पिता की तरह सदैव उनकी राजी खुशी की चिंता करते रहे। बल्कि सदैव उन्होंने यह सुनिश्चित भी किया कि उनके तीनों भाई किसी भी खतरे का शिकार ना बनें और सुरक्षित रहते हुए अपने कर्तव्यों का भली भांति निर्वहन कर सकें। जब राम राक्षसी ताड़का का वध करते हैं तब उसे जन्म-जन्मांतरों के बंधनों से मुक्त करके उसके आत्मस्वरूप तेज पुंज को अपने में समाहित कर लेते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वे जानते हैं ताड़का जन्मजात राक्षसी नहीं थी। ऋषि अगस्त्य द्वारा उसके राक्षस पति सुंद का शाप द्वारा वध किया गया था। अपने पति की मृत्यु का बदला लेने के लिए उसने अपने यक्ष स्वरूप का त्याग करते हुए राक्षसी प्रवृत्ति का चोला ओढ़ लिया था। कुछ कदम आगे चलकर राम अहिल्या का उद्धार भी करते हैं। इस भाव के साथ कि परिस्थिति वश अथवा अज्ञानता वश यदि कोई पाप हो जाए तो उसे कारित करने वाले पुरुष अथवा नारी को पाप का भागी सिद्ध नहीं किया जा सकता। ऐसा करके राम अहिल्यापति ऋषि गौतम को पश्चाताप की अग्नि से भी छुटकारा दिलाते हैं। क्योंकि उन्होंने क्रोधवश अपनी पत्नी को अनुचित श्राप दिया था। किंतु वास्तविकता का ज्ञान होने पर वे अपने शाप को वापस नहीं ले सकते थे। फलस्वरूप तभी से पुण्यों द्वारा अर्जित अपने लोक में स्थित होकर वे अपनी पत्नी की चिरकाल से प्रतीक्षा कर रहे थे। माता सीता से भगवान राम का प्रथम मिलन पुष्प वाटिका में हुआ तब वह अपने भावों पर नियंत्रण बनाए रखते हैं। क्योंकि उन्हें ज्ञात है सीता स्वयंवर कर्म आधारित प्रक्रिया है।

सीता स्वयंवर में समस्त विभूतियों के असफल होने के पश्चात राजा जनक द्वारा अनुचित शब्द कहे जाने पर लक्ष्मण का क्रोध सातवें आसमान पर होता है। वे भी प्रत्युत्तर में राजा जनक को कठोर वचन कह देते हैं। तब भगवान राम ना तो उन्हें रोकते हैं और ना ही डांटते हैं। क्योंकि वे ऐसा मानते हैं, वहां पर लक्ष्मण जी को अनुशासित करने के लिए गुरु अथवा अभिभावक के रूप में विश्वामित्र जी उपस्थित हैं। अतः उनकी उपस्थिति में स्वयं को वरिष्ठ प्रतिपादित करना उन्हें उचित प्रतीत नहीं होता। इसी समारोह में क्रोधाग्नि में ज्वलंतशील परशुराम जी द्वारा अनेक बार राम के आत्मसम्मान को आहत किया गया। किंतु फिर भी वे उन्हें लौटकर दंडात्मक प्रति उत्तर नहीं देते। क्योंकि वे परशुराम के आभामंडल को खंडित करना नहीं चाहते। वे जानते हैं कि त्रेता युग में परशुराम पापाचार में युक्त क्षत्रियों का संहार कर चुके हैं और आने वाले युगों में सनातन संस्कृति को उनके तेज बल की आवश्यकता पड़ने वाली है। माता कैकई द्वारा वर मांगने पर उन्हें 14 वर्षों का बनवास हुआ, तब वाल्मीकि रामायण के अनुसार लक्ष्मण जी पिता दशरथ जी को कारागार में डालने हेतु उद्वेलित थे। इस प्रण के साथ की अयोध्या के सिंहासन पर केवल श्री राम का ही अधिकार है। किंतु श्री राम ने पितु आज्ञा को ही सर्वोपरि माना और इसके लिए लक्ष्मण को प्रेम पूर्वक डांट भी पिलाई। श्रंगवेरपुर के भील राज गुह को प्राणों के समान प्रिय भाई भरत जैसा अपनत्व और सम्मान देकर प्रभु श्री राम यह प्रतिपादित करते हैं कि व्यक्ति को जाति से नहीं बल्कि उसके कर्मों से सम्मान अथवा असम्मान का अधिकारी माना जाना चाहिए।

आप केवट को अपने चरण धोने का सौभाग्य भी देते हैं। क्योंकि उसका तत्कालीन जीवन और पूर्व का मृत्यु वृतांत उन पर उधार था। कच्छप योनि में वह क्षीर सागर का वासी था। श्री हरि विष्णु के चरण स्पर्श करते वक्त शेषनाग जी ने फुंफकार कर उसे भस्म कर दिया। फल स्वरुप वह कच्छप प्रभु चरणों को छूने की आस मन में लिए मृत्यु को प्राप्त हुआ। तब योग निद्रा में लीन प्रभु ने उसे अंतर्मन से आशीर्वाद दिया था कि त्रेतायुग में, मैं स्वयं चलकर तुम्हारे पास आऊंगा और तुम्हारी शर्तों के अनुरूप तुम्हें अपने पैर पखारने की अनुमति प्रदान करूंगा। इसके बाद चित्रकूट पहुंचने तक उन्हें अपने अनेक भक्त, संत, महात्मा, ऋषि मुनि के रूप में मिले। लेकिन श्री राम ने स्वयं को भगवान प्रदर्शित न करते हुए भगवा का मान रखा और सभी के चरण स्पर्श करते हुए आगे बढ़ते गए। चित्रकूट में जब भरत जी उन्हें वापस लेने आए तो श्रीराम इनकार कर सकते थे लेकिन उन्होंने अंतिम निर्णय वहां उपस्थित गुरु वशिष्ठ समेत ऋषियों और राजा जनक के माध्यम से ही प्रतिपादित कराया। इससे जहां राम का बड़प्पन तो स्थापित हुआ ही, वहीं ऋषि-मुनियों, राजा जनक और उपस्थित माताओं का सम्मान भी बना रहा, साथ में भरत की भावनाएं भी आहत नहीं हुईं।

सीता अपहरण में शामिल मारीच को वे केवल इसलिए मोक्ष प्रदान कर देते हैं, क्योंकि वह अपनी इच्छा से नहीं बल्कि मजबूरी वश उस प्रसंग का हिस्सा बना था और राम के हाथों ही मरना चाहता था। माता शबरी को केवल गुरु का धाम ही नहीं दिया बल्कि उन्हें तब नवधा भक्ति का ज्ञान बताया, जब तत्कालीन स्वयंभू विद्वान खुद को भगवान का सच्चा भक्त बताते हुए भीलनी को तुच्छ साबित करने में लगे हुए थे। वे चाहते तो संकल्प मंत्र से रावण का वध कर सकते थे लेकिन सत्य की रक्षा के लिए वानरों का मान बढ़ाया। महाबली बाली का वध करके उसकी अपेक्षा बेहद कम शक्तिशाली सुग्रीव को मित्र बनाया, क्योंकि बाली मातांध होकर अनीति पर चल रहा था, जबकि सुग्रीव ने धर्म को साक्षी बनाए रखा।

विभीषण जी को गले लगाकर आदर्श स्थापित करते हैं कि सभी ओर से निराश होकर शरण आए व्यक्ति को सामर्थ्य अनुसार सहयोग अपेक्षित है। रावण के पास अंगद को भेज कर यह संदेश भी दिया कि शांति वार्ता के माध्यम से समस्या सुलझ सकती हो तो व्यापक नरसंहार को हर हाल में टाला जाना चाहिए। श्रीराम कर्मों का फल देते हुए बाली, मेघनाद, और रावण का भले ही वध करते हैं लेकिन तारा, सुलोचना और मंदोदरी आदि का हाथ जोड़कर सम्मान करते हैं। इस आदर्श के साथ कि स्त्रियां भले ही शत्रु पक्ष की क्यों ना हों, यदि वे अपने स्वजनों के पाप में शामिल नहीं हैं तो उन्हें सम्मान देना ही चाहिए। किंतु यदि स्त्री शूर्पणखा के समान स्वच्छंद और व्यभिचारणी हो तो उसको दंड देने में देर नहीं लगानी चाहिए।

हरि अनंत हरि कथा अनंता। कहहि सुनहि बहु विधि सब संता।।

यानी प्रभु श्री राम की कथा अनंत है। इसे संतों ने अनेक प्रकार से लिखा, गाया और प्रस्तुत किया है। इस दृष्टि से देखा जाए तो उनके समस्त गुणों, जीवन वृतांतों और दर्शन का वर्णन करना असंभव ही है। फिर भी जितना सीख पाया, उस आधार पर केवल इतना ही कहा जा सकता हैं कि मेरे राम समस्त मयार्दाओं से परे पुरुषोत्तम हैं।

देशभर में आवारा कुत्तों का आतंक

एस एन वर्मा

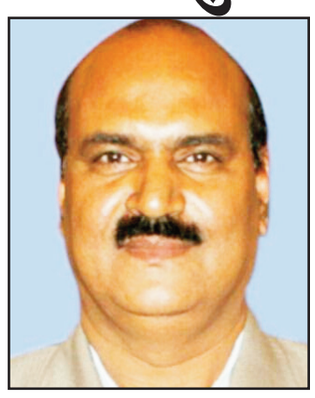

आवारा जानवरों ने पूरे देश में आतंक मचा रखा है। एक जमाने में इक्के-दुक्के ही कुत्ते के काटने के समाचार मिलते थे। लेकिन आज आवारा जानवरों ने गांव,कस्बा और शहर ही नहीं महानगरों में भी लोगों का जीना दूभर कर रखा है। हालकि घटनाओं पर नजर डालें तो पता चलता है कि आवारा ही नहीं पालतु कुत्तों ने भी अनजान या अपने घर के लोगों को भी न सिर्फ काट खाया हैं बल्कि नोंच कर मार तक डाला हैं। सुबह प्रातः भ्रमण पर निकले या देर रात काम से घर लौटनेवाले लोग आवारा कुत्तों के शिकार बन रहे हैं। कुत्तों का आतंक इतना कि कई जगह तो बच्चे,बुजुर्ग और महिलाओं ने सुबह टहलना ही छोड़ दिए हैं। सरकार ने तो दोषी कुत्ता पालकों के खिलाफ कानून तक बनायी है लेकिन स्थिति जस का तस है। गांवों में तो बकरियों के छोटे छोटे बच्चों को अपना निवाला बना कर गरीब बकरी पालकों को कुत्ता आर्थिक नुकसान पहुंचा रहा है। आवारा जानवरों के उत्पात को लेकर संसद तक में आवाज उठने लगी है।

देश में कुत्तों के काटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। साल 2023 में कुत्तों के काटने के मामलों की संख्या 2.75 करोड़ थीं। कुत्तों के काटने की घटनाओं में साल-दर-साल 26.5 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है।.केरल, झारखंड, दिल्ली, असम, और चंडीगढ़ में कुत्तों के काटने की घटनाओं में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई है। अकेले दिल्ली में साल 2023 में कुत्तों के काटने के मामलों में साल-दर-साल 143 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लैंसेट इन्फेक्शियस डिजीज जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक भारत में हर चार में से तीन जानवरों के काटने का कारण कुत्ते है। भारत में रेबीज के कारण हर साल 5,700 से ज्यादा लोगों की मौत होने का अनुमान है। कुत्तों और बंदरों जैसे आवारा पशुओं से संबंधित मुद्दे और उनसे होने वाली घटनाएं तथा ऐसी घटनाओं को रोकने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। राज्यों व संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (एकीकृत स्वास्थ्य सूचना प्लेटफॉर्म) पोर्टल पर दिए गए आंकड़ों के अनुसार, देश भर में पिछले साल 2024 में कुत्ते काटने के 21 लाख 95 हजार 122 मामले सामने आए हैं जिसमं से 37 व्यक्तियों मौत भी हुई है। जबकि बंदरों के काटने के 5 लाख 4 हजार 728 घटनाएं सामने आई हैं जिनमें से 11 लोग काल के गाल में समा चुके हैं। जनवरी-दिसंबर 2024 के दौरान देशभर में 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को कुत्ते के काटने के 519704 मामले सामने आए।

आवारा पशुओं से होने वाली सबसे बड़ी समस्याओं में से एक यह है कि वे गंदगी और बीमारियाँ फैलाते हैं। कुत्ते अक्सर कचरे के डिब्बे में खाना तलाशते हैं, जिससे वे हानिकारक बैक्टीरिया और परजीवियों के संपर्क में आ जाते हैं और ये बैक्टीरिया और परजीवी कुत्तों या उनके मल के संपर्क के माध्यम से मनुष्यों में फैल सकते हैं। आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या लोगों के लिए सिरदर्द और जान को खतरा बन रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है।

शहरों में सबसे ज्यादा आवारा सांड, सूअर व कुत्ते हैं। इसके बाद गायों का नंबर आता है। शहरों में कुछ लोगों ने गाय पाल रखी हैं, लेकिन अधिकांश लोग दूध निकालने के बाद गायों को डंडा मारकर सड़क पर इधर-उधर चारे के लिए मुंह मारने को छोड़ देते हैं। सड़क और सार्वजनिक स्थलों पर मंडराते आवारा पशु भी लोगों की जान के लिए खतरा बन गए हैं। इसी प्रकार गली मोहल्लों में भी आवारा पशुओं का जमावड़ा रहता है। आवारा पशु झुंड में रहते हैं जो किसी पर अटैक करें तो बचना मुश्किल है। दूसरी ओर कुत्तों का आंतक हर गली मोहल्ले में है। आवारा पशुओं को पकड़कर गोशाला या जंगल में छोड़ने की ड्यूटी स्थानीय निकायों की है लेकिन उनकी लापरवाही से शहर में आवारा जानवर दिन पे दिन बढ़ रहे हैं।

आवारा पशुओं में सबसे ज्यादा कुत्तों से ही देशवासी त्रस्त हैं। केंद्रीय विधान आवारा कुत्तों सहित पशुओं के प्रति क्रूरता पर प्रतिबंध लगाता है। इसमें कहा गया है कि आवारा कुत्तों की संख्या के प्रबंधन के लिये एकमात्र स्वीकार्य तरीका मानव द्वारा पशु बंध्याकरण कार्यक्रम है। आवारा कुत्तों को पीटा नहीं जा सकता, भगाया नहीं जा सकता, कहीं और छोड़ा नहीं जा सकता, और न ही मारा जा सकता है। आवारा कुत्तों की सुरक्षा के लिए पशु क्रूरता निवारण अधिनियम (पीसीए) 1960 के तहत कानून बनाए गए हैं। भारतीय दंड संहिता की धारा 428 और 429 के तहत कुत्तों समेत किसी भी आवारा जानवर को छेड़ना या उसके साथ बुरा व्यवहार करना अपराध है। अधिकारी इन्हीं कानूनों की आड़ में कुत्तों को न पकड़ने का तमाम बहाना बनाते हैं और यह तर्क देते हैं कि कुत्ता पकड़ने पर विरोध होने लगता है। वहीं कुत्ता प्रेमी सीना तान कर बोलते हैं कि संविधान ने आवारा पशुओं को भोजन कराने का अधिकार दिया है और कोई भी हमें ऐसा करने से नहीं रोक सकता। उन्हें अपने इस गैर जिम्मेदाराना व्यवहार से कुत्तों से समाज को होने वाले नुकसान से कोई मतलब नहीं होता। आवारा पशओं के लिए निर्धारित फीडिंग प्वाइंट पर ही खाना देना चाहिए।

सरकार ने कुत्ता पालकों के लिए नियम भी बनाए हैं। पालतू कुत्ता पालने के लिए लाइसेंस लेना जरूरी होता है। लाइसेंस न लेने पर 5 हजार तक जुमार्ना लग सकता है और कुत्ते को जब्त भी किया जा सकता है। कुत्ते के काटने से किसी की मौत होने पर आईपीसी की धारा 337 के तहत मामला दर्ज होता है।कुत्ता पालकों को रैबीज टीका लगाने का प्रमाण पत्र और कुत्ता पालन करने का शपथ पत्र देना पड़ता है। शपथ पत्र इस बात का होता है कि कुत्ता पालने से आसपास के निवासियों को कोई आपत्ति नहीं है। 200 वर्ग मीटर के क्षेत्रफल तक के मकानों में दो कुत्ते पालने की ही अनुमति दी जाती है।

केंद्र सरकार ने राज्यों को पिटबुल टेरियर, अमेरिकन बुलडॉग, रॉटवाइलर और मास्टिफ्स सहित 23 नस्लों के आक्रामक कुत्तों की बिक्री और प्रजनन पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। कुत्ते के काटने पर पीड़ित व्यक्ति मुआवजा के लिए भी दावा कर सकता है। हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार कुत्ते के काटने पर पीड़ित को वित्तीय सहायता न्यूनतम 10 हजार रुपए दी जाएगी। यह रकम शख्स के शरीर पर कुत्ते की ओर से काटे गए प्रति दांत के हिसाब से दी जाएगी।

आवारा पशुओं के उत्पात केा लेकर संसद में भी आवाज उठी है। फरवरी माह में मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को लोकसभा में एक लिखित उत्तर देना पड़ा। अब देखना है कि इन आवारा पशुओं के आतंक से देशवासियों को कब निजात मिलेगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तंभकार हैं)

वीरता के साथ अब विकास का भी इतिहास रच रहा बुंदेलखंड

आलोक पाण्डेय

बुंदेलखंड शौर्य और संस्कार की धरती। अपनी वीरता के इतिहास के लिए विख्यात बुंदेलखंड की धरा आने वाले समय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से विकास का इतिहास रचने जा रही है। अक्सर सूखे के लिए जाने जाना वाला बुंदेलखंड भविष्य में अपनी हरियाली के नाते जाना जाएगा। यहां की बड़ी और छोटी सिंचाई परियोजनाएं, खेत तालाब योजना के तहत बनाए गए तालाब इसका जरिया बन रहे हैं। कृषि के साथ ही बुंदेलखंड औद्योगिक प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ चुका है।

यूपी के 10 फीसद क्षेत्रफल वाले बुंदेलखंड की कृषि में हिस्सेदारी सिर्फ 5.5 फीसद

उल्लेखनीय है कि बुंदेलखंड में सात जिले (चित्रकूट, बांदा, झांसी, जालौन, हमीरपुर, महोबा और ललितपुर) शामिल हैं। करीब 69 हजार वर्ग किलोमीटर में विस्तृत बुंदेलखंड का रकबा उत्तर प्रदेश के कुल रकबे का करीब 10 फीसद है। यहां दलहन और तिलहन की फसलों की खेती की अच्छी संभावना है। इसी लिए सरकार यहां दलहन ग्राम योजना भी चला रही है। साथ ही पूरे बुंदेलखंड में मिशन मॉड में प्राकृतिक खेती की प्रोत्साहन पर भी सरकार का पूरा फोकस है।

उल्लेखनीय है कि अमूमन सूखे का सामना करने वाले बुंदेलखंड की कृषि उत्पादन में हिस्सेदारी सिर्फ 5.5 फीसद है। उत्पादन के इस अंतर की भरपाई के लिए सरकार बुंदेलखंड में सिंचन क्षमता में लगातार विस्तार कर रही है। साथ ही विश्व बैंक की मदद से चार हजार करोड़ की लागत से छह वर्ष तक चलने वाली उत्तर प्रदेश ग्रोथ एंड रूरल एंटरप्राइज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग (यूपी एग्रीज) योजना में बुंदेलखंड के सभी जिलों को शामिल कर सरकार यहां के खेतीबाड़ी का भी कायाकल्प करने जा रही है। फिलीपींस के मनीला स्थित स्थित इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंटीट्यूट की वाराणसी शाखा भी इस परियोजना में बतौर एक पार्टनर शामिल है। योजना के तहत क्लस्टर खेती को बढ़ावा देने के साथ डिजिटल और वित्तीय इकोसिस्टम को मजबूत किया जाएगा। साथ ही किसानों को सघन ट्रेनिंग दी जाएगी।

डिफेंस कॉरिडोर, बीडा, फार्मा पार्क से उद्योगों का भी केंद्र बनेगा बुंदेलखंड

योगी सरकार की पहल पर हो रहा बुंदेलखंड के औद्योगिकीकरण इसे उत्तर प्रदेश का ही नहीं देश के बड़े इंडस्ट्रियल हब में शुमार करेगा। डिफेंस कॉरिडोर, ललितपुर में बनने वाला फार्मा पार्क, कानपुर और झांसी के बीच प्रस्तावित देश का सबसे बड़ा औद्योगिक विकास प्राधिकरण बीडा और बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे किनारे बनने वाले औद्योगिक गलियारे, ललितपुर में बन रहा फार्मा पार्क इसका जरिया बनेंगे।

कनेक्टिविटी से मिलेगी तरक्की को रफ्तार

विकास कार्य को गति देने में कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के निर्माण का यही मकसद है। उसके अलावा सरकार सभी एक्सप्रेस वे को आपस में जोड़ने का काम भी करने जा रही है। इससे बुंदेलखंड प्रदेश और देश के अन्य हिस्सों से भी तेजी से जुड़ जाएगा। यहां के उत्पादों को कहीं भी कम समय में तेजी से भेजना संभव होगा।

शीघ्र ही सात जिलों वाले बुंदेलखंड में होंगे तीन एयरपोर्ट

बुंदेलखंड में बेहतर एयर कनेक्टिविटी सोने पर सुहागा होगी। चित्रकूट में एयरपोर्ट बन चुका है। ललितपुर और झांसी में बन रहा है। इनके बनने पर महज सात जिलों वाले बुंदेलखंड में तीन एयरपोर्ट हो जाएंगे। इससे यहां के पर्यटन उद्योग को भी खासी तेजी मिलेगी। खासकर ऐतिहासिक पर्यटन को। यहां के कालिंजर जैसे किले, चंदेलकालीन तालाबों की अदभुत श्रृंखला, चित्रकूट जहां भगवान श्रीराम ने पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण समेत अपने वनगमन के दौरान सर्वाधिक समय गुजारे थे। यहीं पर राम और भरत का मिलन भाई-भाई के प्रेम की मिसाल बन गया। प्रयाग महाकुंभ के दौरान जिस तरह चित्रकूट में पर्यटकों का उलट प्रवाह हुआ, वह चित्रकूट के बढ़ते आकर्षण का सबूत है। योगी सरकार उसी अनुसार अयोध्या से चित्रकूट तक के राम वनगमन मार्ग को सजा रही है। चित्रकूट में बना रोपवे इसके आकर्षण में चार चांद लगा रहा है।

मालवा और बुंदेलखण्ड के प्रवेश द्वार पर प्रधानमंत्री के आगमन से अनेक जनअपेक्षाएं

मध्य प्रदेश का अशोकनगर जिला अपनी कई खूबियों को लेकर प्रसिद्ध है। मालवा और बुंदेलखंड के प्रवेश द्वार पर बसे इस जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन को लेकर तैयारियां हैं, एक दिन पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारियों का जायजा लेने यहां आ चुके हैं। अपनी कई खूबियों, धार्मिक, पर्यटन, ऐतिहासिकता को बटोरने के बावजूद ये जिलारोजगार, उद्योग, आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में पिछड़े जिले के रूप में शुमार है। आगामी 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी के जिले के ईसागढ़ कस्बा अंतर्गत श्री परमहंस अद्वैत मत श्री आनंदपुर धाम आगमन को लेकर आमजन में उत्सुकताएं हैं। वैसे तो प्रधानमंत्री मोदी का श्री आनंदपुर आगमन, दिल्ली की नवगठित सरकार को बनने को लेकर कारण सामने आ रहे हैं, पर मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जो यहां आकर इतिहास लिख रहे हैं। उनके आगमन को लेकर जहां श्री आनंदपुर पहुंचने पर उनकी इस यात्रा को धार्मिक यात्रा के रूप में देखा जा रहा है, पर प्रधानमंत्री का जिस जिले में आगमन हो वहां उनके द्वारा कोई बड़ी विकासात्मक सौगात की संभावनाओं को भी नकारा नहीं जा सकता। यहां आवागमन के क्षेत्र में देखें तो अशोकनगर देश की मुख्यधारा दिल्ली, मुंबई बड़े महानगरों से सडक और रेल लाइन से कटा हुआ है। इस लिहाज से यहां न कोई उद्योग और न कोई रोजगार के साधन, युवा पलायन करने मजबूर है। इसी प्रकार न कोई शिक्षा के क्षेत्र में नए कॉलेज और न स्वास्थ के क्षेत्र में कोई बड़े मेडिकल संस्थान अब तक स्थापित हो सके। अति पिछड़े क्षेत्र के रूप में बसे मालवा और बुंदेलखंड के इस प्रवेश द्वार अशोकनगर से सामाजिक कार्यकर्ता, प्रबुद्धजन यहां आवागमन के रूप में सडक और रेल लाइन को मुख्यधारा महानगरों से जोडने के लिए समय-समय पर मांग उठाते रहे हैं। यहां गुना-बीना रेल लाइन जो डबल लाइन के रूप में विकसित हो चुकी है, पर दिल्ली, मुंबई, दक्षिण के लिए कोई सीधी रेल सेवा शुरू नहीं है। यहां ये भी उल्ल

Page-05_Layout 1 4/6/2025 4:23 AM Page 1

उपायुक्त राजौरी ने रामनवमी के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा की

दिव्य भारत संवाददाता

राजौरी। डिप्टी कमिश्नर राजौरी अभिषेक शर्मा ने आज जिले में रामनवमी के सुचारू और शांतिपूर्ण उत्सव के लिए व्यवस्थाओं की समीक्षा और अंतिम रूप देने के लिए जिला अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की।

डिप्टी कमिश्नर ने स्वच्छता, सुरक्षा, पानी और बिजली की आपूर्ति, यातायात और भीड़ प्रबंधन, और अग्नि सुरक्षा उपायों की व्यापक समीक्षा की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उत्सव सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से आयोजित किए जाएं।

डीसी ने कार्यकारी अधिकारी एमसी को शहर में, विशेष रूप से मंदिरों और मंडली स्थलों के आसपास उचित सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने धार्मिक उत्सवों के दौरान स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया।

सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, डीसी ने संबंधित अधिकारियों को प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात करने का निर्देश दिया। उन्होंने त्योहार के दौरान निर्बाध पानी और बिजली की आपूर्ति की व्यवस्था की भी समीक्षा की और जहां भी आवश्यक हो, पानी के टैंकरों की तैनाती करने का आह्वान किया।

विशेष रूप से मंदिरों और बाजार क्षेत्रों के पास भीड़भाड़ से बचने के लिए उचित यातायात और भीड़ प्रबंधन के लिए भी निर्देश जारी किए गए। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग को अग्नि आपातकालीन अभ्यास करने और संवेदनशील स्थानों पर दमकल गाड़ियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया।

उपायुक्त ने विशेष रूप से मंगला माता और मंगला देवी मंदिरों सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों की व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने उन सभी स्थानों पर सतर्कता और तैयारियों की आवश्यकता पर बल दिया, जहां बड़ी भीड़ उमड़ने की संभावना है।

कीमतों को नियंत्रित करने और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, डीसी ने संबंधित अधिकारियों को बाजार का निरीक्षण करने और अधिक कीमत और घटिया वस्तुओं की बिक्री पर नजर रखने का निर्देश दिया।

इसके अलावा, डीसी ने एडीसी को अपने-अपने विभागों के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी व्यवस्थाओं की निगरानी और समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने भक्तों के लिए परेशानी मुक्त और आनंदमय रामनवमी उत्सव सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों के बीच समन्वित प्रयासों पर जोर दिया। बैठक में एडी फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज, अन्य क्षेत्रीय अधिकारी और सनातन धर्म सभा राजौरी के अध्यक्ष निशु गुप्ता, सचिव सनातन धर्म सभा भी शामिल हुए।

जम्मू। सेवा, व्यावसायिकता और करुणा की अपनी पुरानी परंपराओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय सेना ने राजौरी जिले के गुलैर, चपटा और सरसोती के सुदूर और दूरदराज के इलाकों में नि:शुल्क चिकित्सा गश्ती की।

जम्मू। मिशन स्टेटहुड जम्मू कश्मीर के अध्यक्ष सुनील डिंपल ने शनिवार को समर्थकों के साथ रेहाडी चुंगी बीसी रोड पर विरोध रैली का नेतृत्व किया।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए शिक्षा सूचना अभियान का शुभारंभ

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान के तहत पांच महीने तक चलने वाले बड़े पैमाने पर सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) अभियान का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया।

उन्होंने सभी प्रशासनिक स्तरों पर निरंतर जागरूकता, पुनर्वास और समन्वय के माध्यम से नशीली दवाओं के खतरे से निपटने के लिए यूटी सरकार के संकल्प की पुष्टि की।

मुख्य सचिव ने कहा, नशा मुक्त जम्मू कश्मीर सिर्फ एक अभियान नहीं है, यह युवाओं की रक्षा और हमारे भविष्य को सुरक्षित करने का एक मिशन है। हमें नशीली दवाओं के दुरुपयोग की जड़ों को संबोधित करना चाहिए, साथ ही यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रभावित व्यक्तियों को समय पर परामर्श, सहायता और पुनर्वास मिले।

औपचारिक लॉन्च के हिस्से के रूप में, मुख्य सचिव ने अभियान के आधिकारिक वेब पोर्टल सहित कई प्रमुख पहलों का अनावरण किया, जो जागरूकता गतिविधियों और वास्तविक समय के अपडेट के लिए एक केंद्रीकृत इंटरफेस प्रदान करता है।

मुख्य सचिव ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की क्टरढक्कए पॉडकास्ट श्रृंखला का भी उद्घाटन किया, जिसमें विशेषज्ञों, क्षेत्र अधिकारियों और व्यक्तियों के साथ वास्तविक जीवन के अनुभव साझा करने वाली साप्ताहिक चचाएँ होंगी। यह पहल युवाओं को नशा मुक्ति पर बातचीत में शामिल करेगी। इसके अतिरिक्त, इस अवसर पर एक समर्पित वेब बैनर और एक आधिकारिक अभियान लोगो भी लॉन्च किया गया। लॉन्च के बाद एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, मुख्य सचिव ने केंद्र शासित प्रदेश में प्रत्येक पंचायत, शहरी स्थानीय निकाय (वछइ), शैक्षणिक संस्थानों और प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर शुरू किए जाने वाले व्यापक अभियान के लिए विभागों की तैयारियों का आकलन किया।

मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन को समावेशी सार्वजनिक भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, इस बात पर जोर देते हुए कि सामग्री और वितरण की गुणवत्ता उच्चतम मानकों की होनी चाहिए। उन्होंने कहा, इस प्रयास के लिए ईमानदारी, सहानुभूति और नवाचार की आवश्यकता है। जिले मोबाइल आईईसी वैन तैनात कर सकते हैं, प्रतिभागियों को व्यक्तिगत संदेश भेज सकते हैं और स्थानीय आबादी के साथ प्रतिध्वनित होने वाले इमर्सिव जागरूकता मॉडल बना सकते हैं। उन्होंने एडीडीसी, एडीसी और अन्य सहित वरिष्ठ जिला पदाधिकारियों को क्षेत्र स्तर की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहने का निर्देश दिया, ताकि पूरे पांच महीने के अभियान में निरंतर गति सुनिश्चित हो सके। मुख्य सचिव ने जोर दिया कि जागरूकता केवल शुरूआत है और पुनर्वास और परामर्श आवश्यक सहायक स्तंभों के रूप में होने चाहिए।

मुख्य सचिव ने कहा, व्यक्तियों को न केवल नशे से दूर रखना बल्कि उद्देश्य के नए रास्तों की ओर ले जाना आवश्यक है, चाहे वह शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण या स्वरोजगार के माध्यम से हो। जिला स्तर पर हेल्पलाइन नंबरों से संबंधित मुद्दों पर भी मुख्य सचिव के साथ चर्चा की गई, जिसमें एक बहुस्तरीय सहायता प्रणाली की आवश्यकता को रेखांकित किया गया, जो यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी ठीक हो रहा व्यक्ति अलग-थलग या उपेक्षित महसूस न करे। स्वास्थ्य विभाग को एकीकृत कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए डिप्टी कमिश्नरों और लाइन विभागों के साथ अंतर-क्षेत्रीय समन्वय का नेतृत्व करने का काम सौंपा गया था।

संभागीय आयुक्तों और डीसी ने संसाधन कैलेंडर, सत्र योजना और लॉजिस्टिक्स पर स्थिति रिपोर्ट प्रदान की। डीआईपीआर को सभी आयु समूहों और पृष्ठभूमि के नागरिकों तक पहुंचने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल और आउटडोर मीडिया का उपयोग करके एक आक्रामक प्रचार रणनीति शुरू करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा शांतमनु, प्रमुख सचिव गृह चंद्राकर भारती, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मनीष सिन्हा, आयुक्त सचिव समाज कल्याण संजीव वर्मा, आयुक्त सचिव सामान्य प्रशासन और सूचना एम. राजू और सूचना निदेशक नितीश राजोरा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से और वर्चुअल मोड के माध्यम से उपस्थित थे।

उपराज्यपाल ने रामनवमी पर लोगों को शुभकामनाएं दी

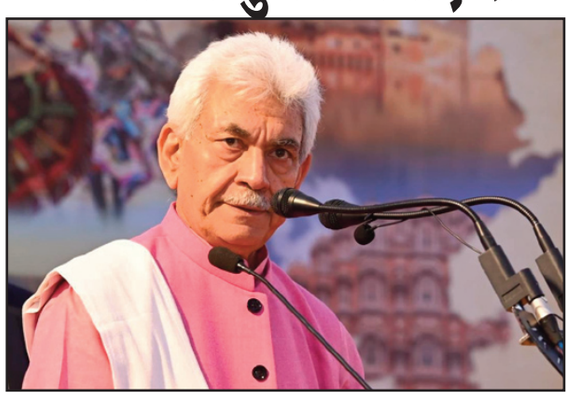

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने लोगों को रामनवमी के पावन अवसर पर शुभकामनाएं दी हैं, जो रविवार, 06 अप्रैल, 2025 को मनाई जाएगी।

उपराज्यपाल ने एक संदेश में कहा है रामनवमी के पावन अवसर पर, मैं सभी को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम धर्म, न्याय, करुणा, त्याग और विनम्रता की प्रतिमूर्ति हैं। यह उत्सव हमें उनके आदर्शों और जीवन मूल्यों का पालन करने के लिए प्रेरित करे। मैं प्रभु श्री राम से प्रार्थना करता हूं कि वे आने वाले वर्षों में सभी पर अपना आशीर्वाद बनाए रखें।

आयुष शोपियां ने चित्रगाम में नशा विरोधी जागरूकता शिविर का आयोजन किया

दिव्य भारत संवाददाता

शोपियां। किशोर छात्रों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में जागरूक करने के लिए, आयुष शोपियां विभाग ने आज चित्रगाम के सरकारी हाई स्कूल में ड्रग्स पर नहीं, सपनों पर ऊंचे रहें, जीवन चुनें, ड्रग्स नहीं थीम के साथ नशीली दवाओं की लत पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्घाटन विधान सभा सदस्य (विधायक) जैनापोरा शौकत हुसैन गनी ने किया और इसमें एसडीएम जैनापोरा बिलाल अहमद, सीएमओ डॉ. अरशद, डीआईओ शौकत गनी, बीएमओ जैनापोरा और आयुष, स्वास्थ्य और स्थानीय लोगों के अन्य अधिकारी शामिल हुए।

विधायक जैनापोरा ने माता-पिता की भूमिका पर जोर दिया और युवाओं को सकारात्मक और उत्पादक गतिविधियों में शामिल करने के साथ-साथ इस खतरे से निपटने के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने नशे की लत के खिलाफ लड़ाई में सभी का सहयोग मांगा और शिक्षकों व अभिभावकों से अपने विद्यार्थियों व बच्चों पर नजर रखने की अपील की। इस अवसर पर आयुष, स्वास्थ्य, शिक्षा व छात्र वक्ताओं ने नशे की बुराई से निपटने में हितधारकों खासकर अभिभावकों, शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ सरकारी विभागों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

जिला नोडल अधिकारी आयुष डॉ. जाविद ने शारीरिक व्यायाम, योगाभ्यास व खेल गतिविधियों के माध्यम से आयुष और इसके स्वास्थ्य व तंदुरुस्ती लाभों को बढ़ावा देने की मांग की। एसडीएम जैनापोरा ने युवाओं को प्रेरित व परामर्श देकर कम उम्र में ही करियर विकास की ओर प्रेरित करने और उनकी छिपी व विशाल ऊर्जा को समाज की भलाई के लिए उपयोग करने का आह्वान किया।

जी.सी.ओ.ई. श्रीनगर ने फिट इंडिया मूवमेंट-2025 की शुरूआत की

दिव्य भारत संवाददाता

श्रीनगर। गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन (आई.ए.एस.ई.) एम. ए. रोड, श्रीनगर ने शनिवार को पूरे परिसर में शारीरिक फिटनेस और तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने वाले एक प्रेरक कार्यक्रम के साथ फिट इंडिया मूवमेंट (पुरुष/महिला) 2025 की शुरूआत की। इस दौड़ को आधिकारिक तौर पर कॉलेज उच्च शिक्षा विभाग (एच.ई.डी.) के निदेशक प्रो. (डॉ.) शेख एजाज बशीर और कश्मीर संभाग के कॉलेजों की नोडल प्रिंसिपल डॉ. सीमा नाज ने हरी झंडी दिखाई। इस कार्यक्रम में शहर के विभिन्न कॉलेजों के 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। यह दौड़ मेजबान कॉलेज के मुख्य द्वार से शुरू हुई और एम. ए. रोड, डलगेट से होते हुए नेहरू पार्क श्रीनगर में समाप्त हुई।

इस अवसर पर प्रतिभागियों को समग्र स्वास्थ्य के बारे में अपनी समझ बढ़ाने के लिए शारीरिक व्यायाम और तंदुरुस्ती चचाओं में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया गया। पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों के छात्रों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया, जो समुदाय के सभी वर्गों के बीच फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह कार्यक्रम शैक्षणिक संस्थानों में फिटनेस और स्वस्थ जीवन की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम था, जिसमें निदेशक कॉलेज उच्च शिक्षा और नोडल प्रिंसिपल कश्मीर डिवीजन कॉलेज दोनों ने इस संदेश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उपायुक्त ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के पहले लाभार्थी से बातचीत की

पुंछ। पुंछ के डिप्टी कमिश्नर विकास कुंडल ने आज प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थी की सराहना करने के लिए मेंढर के गोहलाद गांव का दौरा किया, जिन्होंने हाल ही में सौर छत प्रणाली स्थापित की है, जो क्षेत्र में सतत ऊर्जा उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यात्रा के दौरान, डिप्टी कमिश्नर ने लाभार्थी के साथ बातचीत की, और लाभार्थी ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए सरकार के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की, जिसने लोगों को अपनी बिजली पैदा करने और उपभोग करने का अवसर प्रदान किया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य घरों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और अधिक टिकाऊ वातावरण सुनिश्चित हो सके।

जम्मू। सुरक्षित ड्राइविंग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम।

अमरनाथ यात्रा 2025-26 : अनंतनाग में कार्ययोजना की समीक्षा की गई

दिव्य भारत संवाददाता

अनंतनाग। जिला विकास आयुक्त अनंतनाग, सईद फखरुद्दीन हामिद ने आगामी श्री अमरनाथ जी यात्रा (संज्या) 2025-26 के लिए व्यापक कार्ययोजना की समीक्षा के लिए आज एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में आगामी तीर्थयात्रा के लिए सावधानीपूर्वक तैयारियां सुनिश्चित करते हुए कैपेक्स और रेवेक्स बजट की समीक्षा की गई और उन्हें परिष्कृत किया गया। यात्रा की सफलता के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे, सुरक्षा, चिकित्सा सेवाओं, स्वच्छता और रसद जैसे महत्वपूर्ण घटकों पर चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की विस्तृत प्रस्तुतियों के साथ बजटीय आवंटन के साथ तैयारियों को संरेखित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इंजीनियरिंग विभागों ने निर्बाध तीर्थयात्रियों की आवाजाही की सुविधा के लिए सड़कों और ट्रैक, आश्रयों और विश्राम क्षेत्रों की योजनाएं प्रस्तुत कीं। चिकित्सा विभागों ने व्यापक स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए आयुष सहित चिकित्सा और आपातकालीन प्रतिक्रिया रणनीतियों का विवरण दिया। इस बीच, ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग और नगर परिषदों ने तीर्थयात्रा के दौरान स्वच्छता बनाए रखने और पर्याप्त सार्वजनिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए एक संपूर्ण स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन रूपरेखा प्रस्तुत की। परिवहन विभाग ने यात्रा के दौरान परिवहन के लिए एक योजना प्रस्तुत की। जिला सूचना अधिकारी ने प्रभावी संचार के लिए एक योजना प्रस्तुत की। डीडीसी ने एक निर्बाध यात्रा अनुभव की गारंटी के लिए अंतर-विभागीय सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने किसी भी चुनौती को रोकने और हल करने के लिए कार्य योजनाओं की सक्रिय योजना और त्वरित निष्पादन का आह्वान किया, एक सफल और सुरक्षित श्री अमरनाथ जी यात्रा 2025-26 के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। बैठक में अन्य लोगों के अलावा अतिरिक्त उपायुक्त अनंतनाग, पहलगाम विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आरएंडबी, ओएंडएम (केपीडीसीएल) और हाइड्रोलिक सर्किल के अधीक्षण अभियंताओं के साथ-साथ सहायक आयुक्त पंचायत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी और मुख्य पशुपालन अधिकारी शामिल हुए। इस बीच, श्री अमरनाथ जी यात्रा 3 जुलाई 2025 से शुरू होने वाली है।

संयुक्त राष्ट्र नारकोटिक ड्रग्स आयोग ने पाकिस्तान को सदस्य बनाया

न्यूयॉर्क, (हि.स.)। संयुक्त राष्ट्र नारकोटिक ड्रग्स आयोग (सीएनडी) ने पाकिस्तान को चार साल के लिए सदस्य के रूप में चुना है। यह अवधि 2026 से 2029 तक रहेगी। यह चुनाव संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद में आयोजित मतदान के दौरान किया गया। पाकिस्तान के समाचार पत्र द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी मिशन ने अपने बयान में दी।

बयान में कहा गया कि पाकिस्तान ने परिषद के सदस्य देशों से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। आयोग में पाकिस्तान का चुनाव वैश्विक मादक पदार्थ नियंत्रण प्रयासों के प्रति देश की प्रतिबद्धता में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के विश्वास और भरोसे को दशार्ता है। मिशन ने बयान में कहा कि पाकिस्तान मादक पदार्थों की तस्करी, उत्पादन और उपयोग के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में लगातार सबसे आगे रहा है।

महत्वपूर्ण यह है कि संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ड्रग्स एंड क्राइम की इस संबंध में जारी 2013 की एक रिपोर्ट पाकिस्तान के इस दावे को झुठलाती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में नशीली दवाओं के आदी लोगों की कुल संख्या 7.6 मिलियन है। इनमें से 78 प्रतिशत पुरुष और शेष 22 प्रतिशत महिलाएं हैं। रिपोर्ट में चिंता जताई गई थी कि इनकी संख्या प्रति वर्ष 40,000 की दर से बढ़ रही है। इस वजह से पाकिस्तान दुनिया में सबसे अधिक नशीली दवाओं से प्रभावित देशों में से एक बन गया है। पाकिस्तान में हेरोइन, कोकीन और हशीश का भी जमकर प्रयोग होता है।

पिछले साल पाकिस्तान की एंटी-नारकोटिक्स फोर्स ने तो गजब का खुलासा किया था। इसने कहा था कि भारत में हेरोइन की तस्करी करने वाला कोई और नहीं लाहौर पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स विंग का प्रमुख मजहर इकबाल है। उसका नेटवर्क ड्रोन का इस्तेमाल करके भारत में ड्रग्स, विशेष रूप से हेरोइन की तस्करी करता रहा है। 1994 के बाद उसे 45 बार इस वजह से निलंबित किया गया। पाकिस्तान की एंटी-नारकोटिक्स फोर्स ने आश्चर्य जताया था कि इतने संदिग्ध ट्रैक रिकॉर्ड के बावजूद इकबाल को लाहौर पुलिस के मादक द्रव्य विरोधी विभाग का प्रमुख पद दिया गया।

काठमांडू से गिरफ्तार पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने को भैरहवा ले जाया गया

काठमांडू, (हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री रवि लामिछाने को बीती रात काठमांडू में उनके निवास से गिरफ्तार आज सुबह उन्हें विमान से भैरहवा पहुंचाया गया। सहकारी ठगी में आरोपी रहे रवि लामिछाने की जमानत उच्च अदालत के रद्द किए जाने के बाद उनकी गिरफ्तारी हुई है। शुक्रवार की आधी रात को अपने निवास से गिरफ्तार हुए रवि लामिछाने को शनिवार सुबह के विमान से भैरहवा पहुंचाया गया।

गाजा शहर में इजरायली हमले की चपेट में आने के बाद फिलिस्तीनी लोग दार अल-अरकम उस स्कूल में हुए नुकसान का निरीक्षण करते हुए, जहाँ विस्थापित लोग शरण लेते हैं।

फिलीपीन ड्रग युद्ध के पीड़ितों के परिवारों ने कहा है कि उन्हें ऑनलाइन उत्पीड़न के एक समन्वित अभियान द्वारा निशाना बनाया गया है, उन्होंने कानून लागू करने वालों से हमलों की जांच करने और जिम्मेदार लोगों की पहचान करने का आग्रह किया।

अमेरिका-चीन तनाव के बीच ताइवान के सुरक्षा प्रमुख जोसेफ वू की ट्रंप प्रशासन से मुलाकात

वॉशिंगटन, (हि.स.)। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रमुख जोसेफ वू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ उच्च स्तरीय वार्ता के लिए वाशिंगटन पहुंचे हैं। मीडिय रिपोर्ट के मुताबिक वू स्पेशल चैनल के तहत एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, जो ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद इस चैनल का पहला उपयोग है। यह चैनल गोपनीय और अनौपचारिक वाताओं के लिए जाना जाता है।

जोसेफ वू का यह दौरा ऐसे समय पर हुआ है जब चीन ने हाल ही में ताइवान के पास दो दिवसीय सैन्य अभ्यास किया, जिसे अमेरिका और ताइवान दोनों ने क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा बताया है। वहीं, चीन ने ताइवान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति विलियम लाई चिंग-ते को परजीवी कहकर संबोधित किया, जिसे ताइवान ने आपत्तिजनक और उकसावे वाला बताया है।

दूसरी ओर, अमेरिका ताइवान को औपचारिक रूप से स्वतंत्र देश नहीं मानता, लेकिन वह उसका प्रमुख सैन्य और कूटनीतिक समर्थक बना हुआ है। ताइवान का कहना है कि उसकी भविष्य की दिशा केवल उसके नागरिक तय करेंगे।

इस राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिका ने ताइवान से आने वाले आयात पर 32 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। यह चीन पर लगे 36 प्रतिशत टैरिफ से थोड़ा कम है, लेकिन ताइवान ने इस कदम को अनुचित बताया है। हालांकि, ताइवान ने बदले में कोई जवाबी टैरिफ नहीं लगाया और कूटनीतिक रास्ता अपनाने का फैसला किया है। अमेरिका के इस टैरिफ का सबसे बड़ा असर ताइवान के इलेक्ट्रॉनिक्स और स्टील उद्योग पर पड़ा है। इसके मद्देनजर सरकार ने 88 अरब ताइवान डॉलर (2.67 अरब अमेरिकी डॉलर) के राहत पैकेज की घोषणा की है और 200 अरब ताइवान डॉलर के सस्ते कर्ज की योजना भी पेश की है।

प्रधानमंत्री ओली ने कहा-मोदी से मुलाकात एक बड़ी उपलब्धि

काठमांडू, (हि.स.)। बैंकाक में आयोजित बिम्सटेक शिखर सम्मेलन से लौटकर नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा होली ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात एक बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान ओली ने दोनों देशों के बीच सभी समस्याओं का समाधान आपसी संवाद के जरिए करने सहमति बनने का दावा किया।

शनिवार को बैंकॉक से लौट कर काठमांडू में पत्रकार सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात उनके इस भ्रमण की एक बड़ी उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रिश्ते को और सुदृढ़ करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा हुई है।

ओली का दावा है कि मोदी से मुलाकात के दौरान नेपाल भारत के बीच रहे सीमा समस्या को आपसी संवाद के जरिए हल करने पर सहमति हुई है।

प्रधानमंत्री ओली के भारत भ्रमण को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भारत भ्रमण पर किसी की तरफ से रोक नहीं लगाई गई है। उन्होंने समय अभाव की वजह से भारत भ्रमण नहीं होने की बात को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में जल्द ही उनका भारत भ्रमण होने की संभावना है। ओली ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय आपसी हितों के सभी मुद्दों पर चर्चा हुई।

नेपाल में मई महीने में आयोजित होने वाले सागरमाथा संवाद के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को प्रमुख अतिथि के लिए निमंत्रण देने की जानकारी देते हुए ओली ने यह स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी के समय अभाव की वजह से अभी उनका नेपाल भ्रमण होने की संभावना कम है लेकिन उनका भारत भ्रमण होने की संभावना है।

पाकिस्तान भी चला अमेरिकी के नक्शे-कदम पर, सैकड़ों अफगानियों को वापस भेजेगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की शहबाज सरकार ने अफगान नागरिकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों समेत सैकड़ों अवैध विदेशियों को हिरासत में लिया गया है और फिर उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजने के लिए शिविरों में भेज दिया है। पाकिस्तान में अफगान नागरिकों की स्वैच्छिक वापसी के लिए 31 मार्च की समय-सीमा के बाद सैकड़ों अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया है और उनके परिवारों के साथ उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दिलचस्प बात यह है कि सुरक्षा बलों को जारी निदेर्शों से पता चलता है कि यदि कोई भी अफगान नागरिक आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया गया तो पूरे परिवार को निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। काबुल में तालिबान सरकार ने इस्लामाबाद से पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के प्रत्यावर्तन की प्रक्रिया में देरी का अनुरोध किया था, लेकिन इस्लामाबाद इसमें ढील देने के मूड में नहीं है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने नए सिरे से कार्रवाई की घोषणा की है, जिसमें कहा गया कि वह बिना कानूनी निवास परमिट वाले व्यक्तियों को निर्वासित करेगा, जबकि वैध कार्डधारकों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा।

यूएनएचसीआर की प्रतिनिधि ने कहा कि पाकिस्तान से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अनिश्चित काल तक अफगान शरणार्थियों की मेजबानी की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाए। मानवीय सहायता की जरूरत है, न केवल अल्पकालिक राहत के लिए बल्कि दीर्घकालिक विकास पहलों को समर्थन देने के लिए भी। समय सीमा को आगे न बढ़ाने और कार्रवाई शुरू करने का फैसला पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन रजा नकवी और पीएम शहबाज शरीफ के बीच हुई बैठक में लिया गया।

सूत्रों का कहना है कि अधिकारी छापेमारी करेंगे और देश में अवैध रूप से रह रहे अफगानियों को हिरासत में लेंगे, जिन्हें फिर शरणार्थी शिविरों में स्थानांतरित किया जाएगा। फिर उन्हें प्रत्यावर्तन के लिए तोरखम पाक-अफगान सीमा पर लांडी कोटल क्षेत्र में ले जाने से पहले सूचीबद्ध किया जाएगा। आंकड़े बताते हैं कि देश में कम से कम 13,44,584 अफगान नागरिक हैं, जिनमें से कम से कम 7,09,278 अफगान नागरिक केपी में रहते हैं, जिनके पास पंजीकरण प्रमाण है। आंकड़ों से पता चलता है कि बलूचिस्तान में 3,17,000 पंजीकृत अफगानी हैं, सिंध में 74,117, पंजाब में 1,96,000, इस्लामाबाद में 42,718 और देश के अन्य हिस्सों में 4,448 अफगान शरणार्थी हैं।

माइक्रोसॉफ्ट अपना 50वां जन्मदिन, लेकर आया एआई असिस्टेंट कोपायलट

लंदन। माइक्रोसॉफ्ट अपना 50वां जन्मदिन मना रहा है। इस खास मौके पर कंपनी ने अपने एआई असिस्टेंट कोपायलट के लिए कई नए फीचर्स का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने बताया कि वह कोपायलट को यूजर्स के लिए एक बेहद पर्सनलाइज्ड साथी बनाना चाहती है। कोपायलट में आए नए फीचर्स में बेहतर मेमरी, डीप रिसर्च और जेनरेट पॉडकास्ट शामिल हैं। माइक्रोसॉफ्ट के एआई डिविजन के सीईओ मुस्तफा सुलेमान ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट चाहता है कि कोपायलट अलग-अलग यूजर्स के लिए यूनीक, जो उनकी जरूरतों और अपेक्षाओं के अनुकूल हो।

कोपायलट का नया फीचर डीप रिसर्च कठिन और मल्टी-स्टेप रिसर्च टास्क को अच्छे से पूरा करता है। यह फीचर एआई को अलग-अलग ऑनलाइन सोर्स और खूब सारे डॉक्यूमेंट्स से जानकारी को निकलने और ऐनालाइज करने में मदद करता है। इससे इन-डेप्थ रिसर्च में लगने वाले समय की काफी बचत होती है। इसके अलावा कोपायलट अब बेहतर मेमरी कैपेबिलिटीज से लैस हो गया है। यह यूजर्स के लिए जरूरी डीटेल्स और प्रेफरेंस को याद रखता है। इससे यूजर्स को एआई का ज्यादा पर्सनलाइज्ड अनुभव मिलता है। साथ ही यह प्रोऐक्टिव टास्क मैनेजमेंट भी ऑफर करता है। यूजर्स इस फीचर को अपने कंट्रोल में रखने के लिए स्टोर्ड इन्फर्मेशन को डिलीट भी कर सकते हैं।

अमेरिका के एक अस्पताल में करीब 10 नर्सों को ब्रेन ट्यूमर हुआ

वाशिंगटन। अमेरिका के मासुचूसट्स से एक बेहद हैरान करने वाला मामला आया है। यहां अस्पताल में एक ही फ्लोर पर काम करने वाली करीब 10 नर्सों को ब्रेन ट्यूमर हुआ है। अस्पताल में 1 अप्रैल को जब एक ही फ्लोर पर काम करने वाली कम से कम 11 नर्सों का इंटरव्यू लिया गया, तब ये बात सामने आई। पांचवीं मंजिल पर मैटरनिटी केयर सेंटर चलता है।

पता चला कि इस फ्लोर पर काम करने वाली पांच नर्सों को ब्रेन ट्यूमर हो गया है। इसके पहले भी 6 नर्सों को ब्रेन ट्यूमर हुआ था। हाल ही में एक नर्स को ब्रेन ट्यूमर हुआ है। एक नर्स ने कहा कि पहले भी कई नर्सों के साथ यह दिक्कत हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक पहले भी कई नर्स ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी करवा चुकी हैं। उन्हें अस्पताल की तरफ से ज्यादा मदद भी नहीं दी जाती है।

एक नर्स ने बताया कि अस्पताल का प्रशासन इसपर गौर नहीं कर रहा है और कोई सुधार नहीं किया जा रहा है। यह चिंता की बात है कि यहां के स्टाफ में ब्रेन ट्यूमर के मामले बढ़ रहे हैं। यह केवल संयोग नहीं हो सकता है। इसके पीछे की वजह पता लगाना जरूरी है। सीडीसी की गाइडलाइन का पालने करते हुए अस्पताल ने रेडिएशन और आसपास के माहौल की जांच करावा दी है। इसके बाद अस्पताल ने कहा कि यहां के पर्यावरण में किसी तरह की दिक्कत नहीं है जिससे कि ब्रेन ट्यूमर हो जाए।

जानकारों का कहना है कि रेडिएशन के आयनाइजेशन की वजह से इस तरह के ट्यूमर हो सकते हैं। लेकिन गौर करने वाली बात यह भी है कि अगर इस तरह का रेडिएशन होता है, तब पूरे शरीर को प्रभावित करता है। कई तरह के कैंसर हो सकते हैं। यह केवल ब्रेन को प्रभावित नहीं करता। अगर रेडिएशन सीधा सिर पर लगता है, तब ब्रेन ट्यूमर का ही खतरा रहता है। अस्पताल के अधिकारियों का कहना है कि पांचवीं मंजिल पर किसी तरह का अतिरिक्त रेडिएशन नहीं हो रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल के पीने के पानी की भी नियमित जांच होती है। अस्पताल ने कहा कि लंबे समय तक मास्क पहनने से भी ब्रेन ट्यूमर होने का कोई खतरा अब तक पता नहीं चला है।

'चेसबोर्ड किलर' ने कबूल किए 11 और हत्याएं, रूस की जेल सेवा का खुलासा

मॉस्को, (हि.स.)। रूस के कुख्यात सीरियल किलर अलेक्जेंडर पिचुश्किन, जिन्हें 'चेसबोर्ड किलर' के नाम से जाना जाता है, ने 11 और हत्याओं की बात कबूल की है। रूस की दंड सेवा ने शनिवार को यह जानकारी टेलीग्राम पर साझा की।

पिचुश्किन को 2007 में 48 लोगों की हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। अब 50 वर्षीय पिचुश्किन ने जांचकर्ताओं को बताया है कि वह और 11 लोगों की हत्या की जिम्मेदारी लेने को तैयार है।

पिचुश्किन ने 1992 से 2006 के बीच मास्को के बिटसेव्स्की पार्क में अपना आतंक फैलाया। वह अक्सर बेघर, बुजुर्ग और नशे में रहने वाले लोगों को अपना निशाना बनाता था। पूछताछ में उसने बताया था कि वह शतरंज की 64 वर्गों वाली बिसात के हर खाने पर एक सिक्का रखना चाहता था, हर शिकार के प्रतीक के रूप में।

उसे रूस के सुदूर आर्कटिक क्षेत्र की 'पोलर आउल' जेल में रखा गया है। अब अगर इन 11 नई हत्याओं की पुष्टि होती है, तो पिचुश्किन रूस का दूसरा सबसे खतरनाक सीरियल किलर बन जाएगा। पहले नंबर पर पूर्व पुलिसकर्मी मिखाइल पोपकोव है, जिसे 78 हत्याओं के लिए दोषी ठहराया गया था।

पिचुश्किन ने अपने मुकदमे के दौरान दावा किया था कि उसने 63 लोगों की जान ली है, लेकिन अभियोजन पक्ष ने उसे 48 हत्याओं और 3 हत्या के प्रयासों का ही दोषी माना था।

यूक्रेन पर रूस के हमले के बीच, कीव के बाहर ब्रोवरी शहर में, रूसी ड्रोन हमले की चपेट में आई कार डीलरशिप सुविधा की साइट का निरीक्षण करता एक कर्मचारी।

प्रधानमंत्री मोदी का कोलंबो के फ्रीडम स्क्वायर पर अभूतपूर्व स्वागत

कोलंबो, (हि.स.)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के ऐतिहासिक फ्रीडम स्क्वायर पर आज अभूतपूर्व आधिकारिक स्वागत किया गया। श्रीलंका में किसी अन्य देश के नेता को यहां संभवतः पहली बार इस प्रकार सम्मानित किया गया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने फ्रीडम स्क्वायर में प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया।

श्रीलंका के सिंहली भाषा के अखबार 'दिवैना' की खबर में यह जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री मोदी श्रीलंका की तीन दिवसीय यात्रा (04 से 06 अप्रैल) पर कल श्रीलंका पहुंचे थे। उनकी इस यात्रा का मकसद दक्षिणी पड़ोसी के साथ आर्थिक और सामरिक संबंधों को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री मोदी कल अनुरापुरा में भगवान जया श्रीमहाबो की पूजा करेंगे। भारतीय प्रधानमंत्री के साथ विदेश मंत्री एस. जयशंकर सहित एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी पहुंचा है।

प्रधानमंत्री मोदी स्वागत समारोह के बाद राष्ट्रपति सचिवालय पहुंचे। उनकी राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ द्विपक्षीय बैठक हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी श्रीलंका के 5000 धार्मिक स्थलों की छतों पर सोलर पैनल लगाने की परियोजना का ऑनलाइन उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वो अनुराधापुरा में भगवान श्रीमहाबो के दर्शन भी करेंगे। भारत के अनुदान से स्थापित महावा-अनुराधापुरा रेलवे सिग्नलिंग सिस्टम और उन्नत महावा-ओमंता रेलवे लाइन का आधिकारिक उद्घाटन करेंगे। उनकी यात्रा 06 अप्रैल की दोपहर को पूरी होगी।

आईपीएल 2025 : दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 25 रन से हराया, लगाई जीत की हैट्रिक

चेन्नई, (हि.स.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन का 17वां मुकाबला शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच खेला गया। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुए मैच में दिल्ली ने चेन्नई को 25 रन से हरा दिया। मैच में दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए। जवाब में सीएसके की टीम 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 158 रन ही बना सकी।

डीसी के यह लगातार तीसरी जीत रही, वहीं सीएसके की यह तीसरी हार है। अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स तीन मैचों में तीन जीत के साथ 6 अंक लेकर टॉप पर पहुंच गई है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स चार मैचों में तीन हार और एक जीत के साथ अंक तालिका में आठवें स्थान पर है।

184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की शुरूआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवा दिए। सलामी बल्लेबाज रचिन रवींद्र तीन रन, कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पांच रन और डेवोन कॉनवे 13 रन बनाकर आउट हुए। इम्पैक्ट सब के रूप में आए शिवम दुबे ने एक-दो बड़े शॉट लगाए, लेकिन वह भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए। दुबे ने 15 गेंदों में एक छक्का और एक चौके की मदद से 18 रन बनाए। इसके बाद रवींद्र जडेजा 2 रन बनाकर आउट हुए। जडेजा के पवेलियन लौटने के बाद एमएस धोनी मैदार पर उतरे। उन्होंने विजय शंकर के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने टीम को जीताने के लिए भरपूर कोशिश की, लेकिन जीत से 25 रन पीछे रह गए। विजय शंकर 54 गेंदों पर 5 चौके और एक छक्के की मदद से 69 रन की नाबाद पारी खेली। धोनी ने 26 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए।

दिल्ली की ओर से विपराज निगम ने 2 विकेट, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार और मिचेल स्टार्क ने एक-एक विकेट लिया।

इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 183 रन बनाए। टीम के लिए केएल राहुल ने सबसे ज्यादा रन बनाए। राहुल ने 51 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्के की मदद से 77 रन की पारी खेली। अभिषेक पोरेल ने 20 गेंदों पर 33 रन बनाए। कप्तान अक्षर पटेल ने 14 गेंदों पर 21 रन और समीर रिजवी ने 15 गेंदों पर 20 रन की पारी खेली। ट्रिस्टन स्टब्स 12 गेंदों पर 24 रन बनाकर नाबाद रहे।

चेन्नई के लिए तेज गेंदबाज खलील अहमद ने दो विकेट झटके। रवींद्र जडेजा, नूर अहमद और मथीशा पथिराना को एक-एक सफलता मिली।

दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 25 रन से हराया, लगाई जीत की हैट्रिक।

लगुना प्रांत, फिलीपींस में एवीसी बीच वॉलीबॉल टूर सेकेंड नुवाली ओपन में फिलीपींस की खाइलेम हार्ल प्रोगेला (सामने) चीन की यान जू/झोउ मिंगली और फिलीपींस की खाइलेम हार्ल प्रोगेला/सोफिया शैनिन पगारा के बीच महिलाओं के राउंड ऑफ 16 मैच के दौरान प्रतिस्पर्धा करती हुई।

न्यूजीलैंड ने तीसरे वनडे में पाकिस्तान को 43 रन से हराया

बे ओवल, (हि.स.)। न्यूजीलैड क्रिकेट टीम ने तीसरे और अंतिम वनडे मैच में पाकिस्तान की टीम को 43 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज को 3-0 से अपने नाम कर लिया। यह मैच बारिश के बाद आउटफील्ड के गीला होने के कारण 42-42 ओवर का ही खेला गया।

दरअसल आउटफील्ड के गीला होने के कारण टॉस में देरी हुई, जिस वजह से मैच 50-50 से घटकर 42-42 ओवर का कर दिया गया। मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड ने बल्लेबाजी और 42 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 264 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम 40 ओवर में 221 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह पाकिस्तान यह मैच 43 रनों के बड़े अंतर से हार गई।

माउंट माउंगानुई के बे ओवल में खेले गए तीसरे वनडे मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। टीम का पहला विकेट 13 रन के स्कोर पर गिरा। सलामी बल्लेबाज निक केली 3 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद राइस मारिउ ने 61 गेंदों में 58 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाए। कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 40 गेंदों पर धमाकेदार 59 रन बनाए। उन्होंने इस पारी में 6 छक्के और एक चौका लगाया। इनके अलावा डेरिल मिचेल ने 43 रन, हेनरी निकोल्स 31 रन और टिम सेफर्ट 26 रन का योगदान दिया। इससे टीम 42 ओवर में 8 विकेट खोकर 264 रन बनाने में कामयाब रही।

पाकिस्तान की ओर से आकिफ जावेद ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके। नसीम शाह ने 2, फहीम अशरफ और सुफियान मुकीम ने एक-एक विकेट लिया।

265 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम को सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक के रूप में बड़ा झटका लगा। इमाम उल हक रिटायर्ड हर्ट हो गए।मैच में रन लेने के दौरान डायरेक्ट थ्रो हेलमेट पर लगी और उसकी ग्रिल पर फंस गई। इससे वह चोटिल हो गए और उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर लौटना पड़ा।

पाकिस्तान का 73 रन के स्कोर पर अब्दुल्ला शफीक के रूप में विकेट गिरा। वह 56 गेंदों में 33 रन की पारी खेलकर आउट हुए। फिर उस्मान खान 17 गेंद में 12 रन बनाकर पवेलियन लौटे। बाबर आजम ने 50 रन की अर्धशतकीय पारी खेली और अपनी पारी में 4 चौके और एक छक्का लगाया। फिर 135 के स्कोर पर सलमान अगा 11 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान मोहम्मद रिजवान 37 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पाकिस्तान के बल्लेबाज ज्यादा देर तक क्रिज पर नहीं टिक सके। टीम की तरफ से कोई भी बड़ी साझेदारी नहीं बनी और टीम 40 ओवर में 221 रन पर ढेर हो गई। तैय्यब ताहिर 33 और नसीम शाह ने 17 रन की पारी खेली।

न्यूजीलैंड की ओर से बेन सियर्स ने जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके। जैकब डफी ने 2, माइकल ब्रेसवेल, एम अब्बास और डेरिल मिचेल ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

पाकिस्तान का खराब प्रदर्शनपाकिस्तान की टीम के लिए न्यूजीलैंड का दौरा बहुत खराब रहा। टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 सीरीज फिर वनडे सीरीज भी गंवा दी। पांच मैचों की टी20 सीरीज में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 4-1 और इसके बाद तीन मैचों की वनडे में 3-0 से सफाया कर दिया।

सिफ्ट कौर समरा ने 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन इवेंट में जीता गोल्ड

ब्यूनस आयर्स। भारत की युवा निशानेबाज सिफ्ट कौर समरा ने आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप 2025 में देश को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। 23 वर्षीय सिफ्ट ने शुक्रवार को महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 458.6 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इस मुकाबले में जर्मनी की अनीता मैनगोल्ड ने 455.3 अंकों के साथ रजत पदक, जबकि कजाखस्तान की अरीना अल्टुखोवा ने 445.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। सिफ्ट ने क्वालिफिकेशन राउंड में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 590 अंक के साथ टॉप स्थान हासिल किया था। वे घुटना टेकने और प्रोन पोजीशन के बाद आठवें स्थान पर थीं लेकिन स्टैंडिंग पोजीशन में उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए लगातार सटीक निशाने लगाए और अंत में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

दिल्ली

दिल्ली सचिवालय रोड पर किया स्टील उद्योग के कचरे से गड्ढों को भरने का ट्रायल

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजधानी की सड़कों में हुए गड्ढों को स्टील उद्योग के कचरे से भरने का आज यहां दिल्ली सचिवालय रोड पर ट्रायल किया गया। इस दौरान दिल्ली के लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा मौजूद रहे।

दिल्ली के लोक निर्माण विभाग ने शनिवार को स्टील उद्योग के कचरे (स्टील स्लैग) आधारित इंस्टेंट पॉटहोल रिपेयर तकनीक ईकोफिक्स का सफल तकनीकी ट्रायल दिल्ली सचिवालय रोड पर किया। ट्रायल के दौरान जलभराव वाले और सूखे दोनों प्रकार के गड्ढों को बिना किसी जल निकासी के सफलतापूर्वक भरा गया। इस तकनीक की सबसे खास बात यह रही कि मरम्मत के मात्र 15 से 20 मिनट बाद सड़क को यातायात के लिए खोल दिया गया।

ईकोफिक्स एक रेडी-टू-यूज पॉटहोल रिपेयर मिक्स है, जिसे वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) झ केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) ने रामुका ग्लोबल सर्विसेज (एक उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप) के साथ मिलकर विकसित किया है।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली की जनता को बेहतर, सुरक्षित और गड्ढामुक्त सड़कें देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ईकोफिक्स तकनीक का परीक्षण सफल रहा और इससे हमें मानसून से पहले सड़कों की समयबद्ध और टिकाऊ मरम्मत करने में बड़ी मदद मिलेगी। यह तकनीक केवल गड्ढों को भरने का नहीं, बल्कि जनता के विश्वास को मजबूत करने का काम करेगी। दिल्ली अब स्मार्ट और टिकाऊ बुनियादी ढांचे की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस तकनीक को लागू करने वाली कंपनी ने ढाई साल की वारंटी देने का वादा किया है। अगले ढाई वर्षों तक यदि किसी भी तरह की मरम्मत की आवश्यकता होगी, तो उसकी पूरी ज़िम्मेदारी संबंधित एजेंसी की होगी।

यह हरित पहल भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वेस्ट टू वेल्थ (कचरे से संपत्ति) विजन को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है,। इसमें औद्योगिक अपशिष्ट को उपयोगी संसाधन में बदलकर टिकाऊ बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा रहा है। दिल्ली सरकार और पीडब्ल्यूडी इस तकनीक का विस्तृत मूल्यांकन कर रही है, ताकि इसे बड़े पैमाने पर लागू किया जा सके।

महान व्यक्तित्व थे बाबू जगजीवन राम : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की 118वीं जयंती पर आज यहां समता स्थल पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार तथा अन्य गण्यमान्य लोग शामिल हुए।

सर्वधर्म प्रार्थना समारोह में शामिल लोगों ने बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर खरगे ने कहा कि बाबू जगजीवन राम एक महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने शोषित वर्गों के अधिकारों और जातिगत भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में पांच दशक समर्पित कर दिए। सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पूर्ण थी। एक स्वतंत्रता सेनानी और एक कुशल प्रशासक के रूप में बाबू जगजीवन राम ने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज उनकी जयंती (समता दिवस) पर हम उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

बाबू जगजीवन राम जी की 118वीं जयंती के उपलक्ष्य में समता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में सर्वधर्म प्रार्थना और पुष्पांजलि अर्पित करते लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने कर्तव्यम उद्घाटन सम्मेलन से की राष्ट्रीय नागरिक पहल की शुरूआत।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने कर्तव्यम उद्घाटन सम्मेलन से की राष्ट्रीय नागरिक पहल की शुरूआत

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश के संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) द्वारा शनिवार को विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक वाइस रीगल लॉज में कर्तव्यम नामक एक उच्च स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। कर्तव्यम का उद्घाटन डीयू की एक साल तक चलने वाली राष्ट्रीय पहल की शुरूआत का प्रतीक है। इसका उद्देश्य आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में कर्तव्य की अवधारणा की गहरी समझ को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम भारत और पड़ोसी देशों के 16 विश्वविद्यालयों के सहयोग से शुरू किया जा रहा है जिसका उद्देश्य राष्ट्रव्यापी नागरिक और शैक्षणिक आंदोलन को गति देना है।

उद्घाटन सम्मेलन में दो प्रतिष्ठित न्यायविदों न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश और दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर के पूर्व छात्र हैं। व्याख्यानों, संवादों, विद्वानों के आदान-प्रदान और सामुदायिक संपर्क के माध्यम से कर्तव्यम का उद्देश्य नागरिकों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो अपनी जिम्मेदारियों के प्रति उतने ही सजग हों जितने कि अपने अधिकारों के प्रति।

इस अवसर पर न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने अपने मुख्य भाषण में अधिकारों और कर्तव्यों के बीच अंतर्निहित संबंध पर चर्चा करते हुए कहा कि जीवन के कई पहलुओं में यह स्वाभाविक रूप से एक दूसरे से प्रवाहित होते हैं। उन्होंने संवैधानिक नैतिकता पर आधारित समाज के निर्माण के लिए विशेष रूप से छात्रों के बीच नागरिक ने जागरूकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार डॉ. बी.आर. अंबेडकर को उद्धृत करते हुए उन्होंने जीवन जीने के संबंधित तरीके के दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला, जो कि पारस्परिक सम्मान और सामूहिक विकास को बढ़ावा देता है।

भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने लोकतांत्रिक समाजों में सार्वजनिक जिम्मेदारी के सांस्कृतिक विकास पर विस्तृत व्याखान दिया। उन्होंने अधिकारों के दावे को साझा कर्तव्य की नई भावना के साथ सामंजस्य स्थापित करने वाली नागरिक सोच में आदर्श बदलाव का आान किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के बदलाव को संवैधानिक मूल्यों में गहरी आस्था से ताकत मिलनी चाहिए, जिसकी व्याख्या संकीर्ण दृष्टिकोण से नहीं बल्कि समावेशी और दूरदर्शी दृष्टिकोण से की जानी चाहिए। सम्मेलन में दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह, विधि संकाय की डीन प्रो. अंजू वली टिकू, कैंपस लॉ सेंटर की प्रभारी प्रोफेसर अलका चावला और कर्तव्यम की कार्यक्रम निदेशक डॉ. सीमा सिंह सहित अनेकों शिक्षाविद शामिल हुए।

प्रो. प्रकाश सिंह ने कहा कि लोकतंत्र का संरक्षण केवल सरकार के स्वरूप में नहीं, बल्कि लोगों की आदतों में निहित है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जब लोग आदतन कर्तव्य-बद्ध हो जाते हैं, तो लोकतंत्र का संरक्षण और सभी के अधिकारों की सुरक्षा स्वाभाविक रूप से होती है।

कैम्पस लॉ सेंटर की प्रोफेसर-इन-चार्ज, प्रो. (डॉ.) अलका चावला ने इस बात पर जोर दिया कि कर्तव्य भारतीय न्यायशास्त्र के मूल में हैं, और उनका पालन दूसरों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। उन्होंने इस आयोजन की भावना को आदर्श वाक्यः कर्तव्य, धर्म और सही दिशा में कर्म के माध्यम से व्यक्त किया।

विधि संकाय की डीन प्रोफेसर अंजू वली टिक्कू ने कर्तव्य चेतना की नींव के रूप में भाईचारे पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम निदेशक डॉ. सीमा सिंह ने अधिकार-केंद्रित से कर्तव्य-केंद्रित सोच में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. सीमा सिंह ने बताया कि आने वाले वर्ष में, कर्त्तव्यम नागरिक नवीनीकरण के अपने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों, विश्वविद्यालय सहयोगों और सार्वजनिक संवादों की एक श्रृंखला आयोजित करेगा।

3 साल में यूपी से खत्म कर देंगे गरीबी, प्रदेश को बनाएंगे नंबर वन : योगी

- **महाराजगंज में मुख्यमंत्री ने लिया संकल्प, यूपी को बनाएंगे जीरो पॉवर्टी स्टेट**
- **मुख्यमंत्री ने महाराजगंज में रोहिन बैराज का किया लोकार्पण, जनसभा को किया संबोधित**
- **वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम से जमीनों की लूट-खसोट और अवैध कब्जे पर लगेगी रोक**
- **पहले त्योहारों पर डर का माहौल रहता था, लेकिन अब दंगाइयों ने दंगा करना छोड़ दिया**

दिव्य भारत संवाददाता

महाराजगंज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर महाराजगंज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने रोहिन बैराज के लोकार्पण सहित 654 करोड़ रुपये की 629 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने संकल्प लिया कि अगले 3 साल में यूपी से गरीबी खत्म कर इसे देश का नंबर एक राज्य बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में देश की संसद में वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम पारित किया गया है, जिससे वक्फ के नाम पर जमीनों की लूट-खसोट और अवैध कब्जे पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि अब कोई चौराहों की जमीनों पर कब्जा नहीं कर सकेगा। सरकारी संपत्ति का उपयोग विद्यालय, चिकित्सालय, कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, बैराज और आवास निर्माण जैसे जनकल्याणकारी कार्यों में होगा। सीएम योगी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में लाखों एकड़ भूमि वक्फ बोर्ड के नाम पर नाजायज तरीके से कब्जाई गई थी, जिससे गरीबों का कल्याण नहीं हो रहा था। अब इस मनमानेपन पर लगाम लगेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में फोरलेन सड़कों का जाल बिछ गया है। गोरखपुर-नौतनवा-सोनौली मार्ग और फरेंदा-नौतनवा मार्ग फोरलेन बन रहे हैं। गांवों के 3 मीटर के रास्ते अब 7 से 10 मीटर चौड़े हो रहे हैं। सिंचाई के क्षेत्र में अर्जुन सहायक, बाणसागर और

सरयू नहर परियोजनाओं से लाखों हेक्टेयर भूमि को लाभ मिला है। पिछले 8 साल में प्रदेश में 23 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा और 14 लाख किसानों को मुफ्त ट्यूबवेल कनेक्शन दिए गए हैं।

सीएम योगी ने कहा कि श्रमिकों के बच्चों के लिए अटल आवासीय विद्यालय और हर विकासखंड में मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय बनाए जा रहे हैं। पहले की सरकारों के दौर में 'एक जनपद, एक माफिया' का दौर था, अब 'एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज' दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले त्योहारों पर डर का माहौल रहता था, लेकिन अब दंगाइयों ने दंगा करना छोड़ दिया। एक ओर किसानों का विकास, नौजवानों को रोजगार, बेटी को सुरक्षा और स्वावलंबी बनाने का कार्य हो रहा है तो वहीं इंसेफलाइटिस, डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां नियंत्रित हो गई हैं। मधवलिया में गोशाला और डेयरी उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। महाराजगंज में केंद्रीय विद्यालय और स्पोर्ट्स स्टेडियम का शुभारंभ भी जल्द होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ युद्ध स्तर पर विकास कार्य हो रहे हैं, तो दूसरी तरफ लोककल्याण के प्रयास जारी हैं। अंत में सीएम योगी ने रामनवमी पर अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक कार्यक्रम को टीवी पर देखने की अपील की और सभी को नवरात्रि और रामनवमी की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महाराजगंज के सांसद व केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, आयुष मंत्री और महाराजगंज के प्रभारी मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, विधायक ऋषि त्रिपाठी, ज्ञानेन्द्र सिंह, प्रेम सागर पटेल, जयमंगल कन्नौजिया, भाजपा के जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग सहित प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

दिव्य भारत की खबर पर लगी मुहर

गला दबाकर युवती की हत्या, खेत में मिला शव

धर्मेन्द्र श्रीवास्तव/दिव्य भारत

प्रतापगढ़। खेत में युवती का शव मिलने से हड़कंप मच गया, शव मिलने की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंच जाती है और जांच में जुट जाती है, मामला लालगंज कोतवाली अंतर्गत गौतमपुर वार्ड में देर शाम अज्ञात युवती की गला दबाकर हत्या कर शव को खेत में फेंक दीया गया।

युवती की हत्या कर शव फेंके जाने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। युवती का शव मिलने की सूचना मिलने पर लालगंज पुलिस मौके पर पहुंच जाती है। वहीं मौके की नजाकत को समझते हुए सीओ लालगंज रामसूरत सोनकर भी मौके पर पहुंच जाते हैं। प्रथम दृष्टया पुलिस को गला दबाकर हत्या की आशंका जाता रही है, एसपी डॉक्टर अनिल कुमार के द्वारा युवती की हत्या का खुलासा करने के लिए चार टीमों का गठन कर दिया जाता है। चारों टीम हर एंगिल को देखकर जांच में जुट गई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रेम प्रसंग में युवती को खेत में बुलाकर उसके साथ रेप करने के बाद उसकी हत्या होने की बात सामने आ रही है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने किया काशी विश्वनाथ का अभिषेक

- **काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव के भी किए दर्शन**

वाराणसी, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत काशी प्रवास के तीसरे दिन शनिवार को काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ और काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव के दरबार में पहुंचे। संघ प्रमुख ने काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में बैठ कर बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग का मंत्रोंच्चार के बीच अभिषेक किया। मंदिर के पुजारियों ने संघ प्रमुख को विधि विधान से बाबा का दर्शन पूजन कराया। संघ प्रमुख ने विश्वनाथ धाम का भी भ्रमण किया। इस दौरान सुरक्षा के व्यापक प्रबंध रहे।

संघ प्रमुख इसके बाद कालभैरव मंदिर में पहुंचे और बाबा के विग्रह की विधिवत आरती उतारी। इस दौरान मंदिर और कालभैरव मार्ग पर सुरक्षा की किलेबंदी की गई थी। दर्शन पूजन के दौरान संघ के क्षेत्र प्रचारक अनिल, काशी प्रांत प्रचारक रमेश व अन्य पदाधिकारियों के साथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल भी मौजूद रहे।

यहां के बाद संघ प्रमुख तुलसीपुर महमूरगंज स्थित निवेदिता शिक्षा सदन में लौटे। यहां वे प्रबुद्धजन संग भी अलग-अलग बैठक कर संवाद करेंगे। छह अप्रैल को संघ प्रमुख मलदहिया लाजपत नगर जाएंगे और शाखा में शामिल होंगे। इसके बाद शहर के प्रबुद्धजनों से मिलेंगे। शाम को प्रांत टोली के साथ बैठक होगी। सात अप्रैल को लखनऊ के लिए प्रस्थान करने से पहले काशी प्रांत के अनुभवी कार्यकर्ताओं की टोली के साथ बैठक कर उनका मार्गदर्शन देंगे। इसके बाद प्रांत टोली के साथ भी बैठक कर सकते हैं।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने किया काशी विश्वनाथ का अभिषेक।

प्रसिद्ध मंदिरों में विविध कार्यक्रम हुये आयोजित

धर्मेन्द्र श्रीवास्तव/दिव्य भारत

प्रतापगढ़। शासन के निदेर्शों पर जिले के सभी तहसीलों और विकास खण्डों में प्रसिद्ध मंदिरों पर चैत्र नवरात्रि, श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर दुर्गा सप्तशती का पाठ, देवी गायन, देवी जागरण, अखण्ड रामायण, सुन्दरकाण्ड का पाठ किया गया गया। विकास खण्ड बिहार के कामाख्या मन्दिर, चामुण्डा मन्दिर, विकास खण्ड मंगरौरा के पूरेमनिकंठ, चन्दौका के मन्दिरों में, विकास खण्ड शिवगढ़ के माँ बाराही देवी मन्दिर, हनुमान मन्दिर, विकास खण्ड सण्ड़वा चन्द्रिका के माँ चण्डिका देवी मन्दिर, नगर पंचायत प्रतापगढ़ सिटी में काली माता के मन्दिर, नगर पंचायत कटरा मेंदनीगंज के शिव मंदिर, नगर पालिका परिषद बेल्हा के माँ बेल्हा देवी मन्दिर, हनुमान मंदिर रंजीतपुर चिलबिला, नगर पंचायत रानीगंज के वार्ड पूरे गोलिया में श्री शक्ति संकट मोचन हनुमान मंदिर, नगर पंचायत पट्टी के हनुमान मंदिर, नगर पंचायत कोहड़ौर के श्री हरिहरा वीर बाबा मंदिर, नगर पंचायत डेरवा में जय कचनार वीर बाबा मंदिर, नगर पंचायत ढकवा के राम जानकी मंदिर, नगर पंचायत कुण्डा के हनुमान मंदिर में में आयोजन किया गाय। शनिवार को अष्टमी तिथि के कारण मंदिरों में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना भी की।

हम आपको शक्ति देंगे आप पार्टी विचारधारा के रक्षक हो : राहुल गांधी

अजीत प्रताप सिंह/दिव्य भारत

प्रतापगढ़। कांग्रेस को जमीन पर मजबूत करने, वोटर लिस्ट पर काम करने, संगठन को मजबूत करने और इन सब के लिए स्ट्रक्चर तैयार करने के उद्देश्य से डीसीसी की तीसरे राउंड की बैठक नई दिल्ली में आयोजित हुई। शुक्रवार को देर रात्रि 5 घंटे तक कांग्रेस के नए कार्यालय इन्दिरा भवन, नई दिल्ली में आयोजित जिला अध्यक्षों की बैठक को सम्बोधित करते हुए नेता विपक्ष लोकसभा राहुल गांधी ने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी (डी.सी.सी.) कांग्रेस पार्टी की रीढ़ है, मै डीसीसी को पावर देना चाहता हूं, मैं चाहता हूं टिकट के निर्णय में पार्टी जो भी डिसीजन ले, उसमें डीसीसी की भूमिका हो। आप काम करें, आप मेहनत करें, लास्ट टाइम में कोई और निर्णय लें, ये बिल्कुल नही होगा। हमारा जो भी साथी पार्टी के लिए काम कर रहा है उसको भविष्य में जिम्मेदारी मिलनी चाहिए।

बीजेपी और आरएसएस द्वारा हमारी विचारधारा पर आक्रमण हो रहा है, देश के इतिहास को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा

है। जिस भी जिले में दलित, शोषित, वंचित, पिछड़ा, महिलाओ और अल्पसंख्यकों को दबाया जा रहा है वहां पर इनकी मदद के लिए कांग्रेस दिखनी चाहिए।

अंत में उन्होंने कहा कि आप सिर्फ जिला अध्यक्ष ही नहीं हो आप हमारा परिवार हो, मोहब्बत का रिश्ता है, आप अपने काम में सफल हो। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संगठन सशक्तिकरण बहुत जरूरी है, सबसे पहले संगठन सृजन का कार्य ईमानदारी से करो। पार्टी में शिकायतें कम, काम ज्यादा करो। उन्होंने मोदी और अमित शाह पर चुटकी लेते हुए कहा कि लोकसभा और राज्यसभा में कंपटीशन हो रहा था कि कौन जीतेगा, आखिर में राज्यसभा जीत गई और हम सुबह 5 बजे घर पहुंचे। इस दौरान कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। जिसमें 6 राज्य 2 टेरिटोरियल कांग्रेस के 302 जिलाध्यक्ष बैठक में शामिल हुए। सभी ने खुले मन से अपनी बात रखी और सुझाव दिए।

प्रतापगढ़ से प्रतिनिधित्व कर रहे कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी ने बैठक में कहा कि जनता के नब्ज को टटोलना होगा, उनकी समस्याओं को चिन्हित कर धरना-प्रदर्शन- आंदोलन कर समस्याओं का समाधान कराने से लोग जुड़ेंगे और संगठन मजबूत होगा। बैठक में मुख्यरूप से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता विपक्ष राहुल गांधी, महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल, महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय सचिव प्रभारी प्रयागजोन राजेश तिवारी, कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।

कैश कांड में चर्चित जस्टिस यशवंत वर्मा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में ली शपथ

प्रयागराज, (हि.स.)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर दिल्ली में कैश कांड को लेकर चर्चित जस्टिस यशवंत वर्मा के शपथ ग्रहण का विरोध किया है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव की तरफ से चीफ जस्टिस को लिखे पत्र में कहा गया है कि जस्टिस यशवंत वर्मा को शपथ ग्रहण कराने से पूर्व बार एसोसिएशन को कोई जानकारी नहीं दी गई। उसे शपथ ग्रहण होने की भनक तक नहीं लगी।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव विक्रांत पांडेय ने चीफ जस्टिस को भेजे अपने पत्र में कहा है कि उन्हें बताया गया कि यहां तक कि हाईकोर्ट के अधिकांश जजों को भी शपथ ग्रहण की सूचना नहीं दी गई। पत्र में कहा गया है कि इस प्रकार का शपथ ग्रहण अविधिक एवं गैर परम्परागत होने के कारण अस्वीकार है। बार एसोसिएशन ने इस प्रकार से गुपचुप तरीके से शपथ ग्रहण कराने की निंदा की है तथा चीफ जस्टिस इलाहाबाद

- **हाईकोर्ट बार को नहीं दी गई जानकारी, बार ने शपथ ग्रहण की भर्त्सना की, कहा उसे स्वीकार नहीं**

हाईकोर्ट से अनुरोध किया है कि जस्टिस यशवंत वर्मा को कोई भी न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्य न सौंपें।

आज के इस पत्र की कापी देश के प्रधानमंत्री, भारत सरकार के गृह मंत्री, केन्द्रीय कानून मंत्री, यूपी के मुख्यमंत्री तथा लखनऊ बेंच के सभी न्यायाधीशों को भेजा गया है।

मालूम हो कि इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने पिछले सप्ताह प्रस्ताव पारित कर निर्णय लिया था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील जस्टिस यशवंत वर्मा के शपथ ग्रहण में शामिल नहीं होंगे। दिल्ली हाईकोर्ट से जस्टिस यशवंत वर्मा का तबादला सुप्रीम कोर्ट की संस्तुति पर केन्द्र सरकार ने किया है। कैश कांड में बढ़ते विवादों के चलते उनका उनके मूल हाईकोर्ट इलाहाबाद में तबादला कर दिया गया है। अभी तक की परम्परा में जब भी कोई जज हाईकोर्ट में शपथ ग्रहण करता है तो इसमें सभी न्यायाधीशों के अलावा बार एसोसिएशन, मीडिया व अन्य अधिकारियों को आमंत्रित किया जाता है और शपथ ग्रहण चीफ जस्टिस की कोर्ट में होता है। परन्तु जस्टिस वर्मा के शपथ ग्रहण में उक्त परम्पराओं का पालन नहीं किया गया।

उत्तर प्रदेश में ट्रेलर झोपड़ी में सो रहे लोगों पर चढ़ा, तीन बच्चियों की मौत, दो घायल।

गर्भपात कराने के चक्कर में हुई थी महिला की मौत

धर्मेन्द्र श्रीवास्तव/दिव्य भारत

प्रतापगढ़। प्रेम प्रसंग में गर्भवती होने पर प्रेमी ने अपनी प्रेमिका का गर्भपात करवा डाला, गर्भपात की वजह से महिला की ज्यादा ब्लीडिंग होने से महिला की मौत हो गई। डरे सहमे प्रेमी ने प्रेमिका को गेहूं के खेत में फेंक कर फरार हो गया, शव मिलने की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंच जाती है और जांच में जुट जाती है। जांच के दौरान मृतिका की मौत का राज खुल जाता है।

एसपी डॉ अनिल कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस करके यह सब खुलासा किया कि दरअसल बीते तीन मार्च को गेहूं के खेत में महिला का शव मिला था इस मामले में पुलिस जांच कर रही थी, जांच में पता चला कि मृतक महिला शहनाज बानो की शादी अंतू के जगदीश गांव के रहने वाले मकबूल अहमद से हुई थी। मकबूल नौकरी के सिलसिले सऊदी में रहता है, इसी दौरान कई सालों से उसका इरफान के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। क्योंकि इरफान का ननिहाल अंतू में था इसलिए ननिहाल आने जाने के दौरान वह शहनाज बानो के संपर्क में आ गया। जिसके बाद मृतक शहनाज बानो

अपने प्रेमी इरफान के साथ 2 अप्रैल को रात में अपने घर से फरार हो गई, जिसके बाद मृतका के ससुर ने थाने में अपहरण का मुकदमा भी दर्ज कराया था। उसके बाद लालगंज थाना के गौतमपुर वार्ड में महिला का शव गेहूं के खेत में मिला था।

दरअसल प्रेमी इरफान से अवैध संबंध के दौरान मृतिका चार महीने की गर्भवती हो गई थी, जिस कारण से प्रेमी मृतिका का गर्भपात करवाना चाहता था, इसलिए मृतिका अपने प्रेमी इरफान के साथ भाग गई थी। फिर प्रेमी इरफान के साथ गर्भपात करवाने लालगंज के निजी संजीवनी अस्पताल पहुंच गई, जहां गर्भपात के दौरान महिला शहनाज बानो को ज्यादा ब्लीडिंग होने के चलते उसकी अस्पताल में मौत हो गई। तब डरे सहमे प्रेमी इरफान और अस्पताल के डॉक्टर नफीस अहमद ने शव से छुटकारा पाने के लिए बाइक से शव ले जाकर रात में गेहूं के खेत में फेंक और वहां से भाग गये। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज करते हुए प्रेमी इरफान और संजीवनी नर्सिंग के डॉक्टर नफीस को गिरफ्तार कर लिया है और दोनों को जेल भेज दिया गया है। निजी अस्पताल संजीवनी नर्सिंग होम पर भी कार्यवाही की गई है, एसडीएम लालगंज और डिप्टी सीएमओ राजेश कुमार ने संजीवनी नर्सिंग होम को सील करवा दिया है। कल्पना अल्ट्रासाउंड पर भी कार्रवाई करते हुए कल्पना अल्ट्रासाउंड का संचालन करने वाले डाक्टर हसनैन के खिलाफ भी लालगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है। अल्ट्रासाउंड केंद्र पर मुकदमा इसलिए हुआ है कि उन्होंने महिला का गर्भपात बिना किसी आदेश के किया, जो कि गैरकानूनी है।

- **दिव्य भारत की खबर पर लगी मोहर**
- **प्रेमी प्रसंग में महिला की हुई थी मौत**
- **गर्भवती होने पर गर्भ गिराने के चक्कर में हुई थी ज्यादा ब्लीडिंग**
- **एसपी ने प्रेस कांफ्रेंस करके किया खुलासा**
- **स्वास्थ विभाग की मिलीभगत से चलता है यह खेल**
- **नर्सिंग होम और अल्ट्रासाउंड सेंटर को लाइसेंस देने वालों पर कार्यवाही कब?**